वर्ष : 18 अंकः 99 | ग्वालियर | रविवार 11 मई 2025 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित
चम्बल सुर्खी
उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 38 डिग्री
न्यूनतम 27 डिग्री

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा के मद्देनजर जालंधर कैंट और आदमपुर बाजार बंद करने का आदेश

जालंधर, (ए.)। इन दिनों उत्तर भारत के ज्यादात्तर राज्यों में कई बदलाव हो रहे है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को देखकर राज्यों ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी कड़े इंतजाम किए है। इसी बीच जालंधर में जिला अधिकारियों ने एक परामर्श जारी कर निवासियों से कहा है कि वे भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ी हुई सुरक्षा के बीच एहतियात के तौर पर बड़ी सभाओं से बचें और घर के अंदर ही रहें। उपायुक्त हिमांशु अग्रवाल ने घोषणा की कि जिले में मॉल और ऊंची व्यावसायिक इमारतें आज बंद रहेंगी। उपायुक्त अग्रवाल ने कहा, जालंधर कैंट और आदमपुर बाजार बंद करने का आदेश दिए गए है। परामर्श में निवासियों से खुले में जाने से बचने तथा ऊंची इमारतों में अनावश्यक रूप से घूमने से बचने को कहा गया है। अग्रवाल ने कहा, शांत रहें। उपरोक्त सभी एहतियाती उपाय हैं।

सेना जल्द ही पाकिस्तान के जोश को ठंडा कर देगी: तेजस्वी यादव

पटना, (ए.)। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश भर में एकजुटता का माहौल है। विपक्ष और सत्ता दोनों एक सुर में भारतीय सेना और मोदी सरकार के समर्थन में खड़े हैं। इसी कड़ी में बिहार के नवगछिया पहुंचे राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देकर सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला समर्थन दिया है।

तेजस्वी ने कहा, भारतीय सेना पर पूरे देश को भरोसा है। हमारी सेना ने पहले भी पाकिस्तान को कई बार घुटने पर ला चुकी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए हैं, तब वह भारतीय सेना की ताकत से हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में जब सीमा पर तनाव बढ़ रहा है, तब देश की हर राजनीतिक ताकत को सेना और सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि पक्ष हो या विपक्ष आज हर कोई एकजुट है। भारत की सेना पाकिस्तान को सबक सिखाने में पूरी तरह सक्षम है और जल्द ही पाकिस्तान को ठंडा कर देगी। आतंकवाद का जड़ से खात्मा जरूरी है।

भारत के अटैक से पाकिस्तान के 4 एयरबेस तबाह, अभी इतने बाकी

नई दिल्ली, (ए.)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। पाकिस्तान ने बीती रात फतेह-2 मिसाइल और कई ड्रोन हमले किए। हालांकि भारत की सुरक्षा कवच ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। इस बीच पाकिस्तान आर्मी ने दावा किया है कि भारत ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। खबर है कि भारत ने पाकिस्तान के 4 एयरबेस को तबाह कर दिया है। जिसके बाद पाकिस्तान ने एयरबेस बंद कर नोटम जारी किया है। हालांकि, भारत सरकार की ओर से हमले को लेकर अभी कोई भी पुष्टि नहीं की गई है।

बाड़मेर में हाई रेड अलर्ट : जिला कलेक्टर टीना डाबी ने लोगों से घरों में रहने की अपील की

बाड़मेर ,ए.। भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर में सुरक्षा एजेंसियों ने हाई रेड अलर्ट जारी किया है। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने शनिवार को एक आपात संदेश में नागरिकों से घरों में ही रहने और बाजार या सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचने की सख्त अपील की है। कलेक्टर डाबी ने कहा, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी नागरिकों को अपने-अपने घर जाने का निर्देश दिया गया है। किसी भी अफवाह से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें। जिले में हाई रेड अलर्ट की स्थिति है। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से हालात पर नजर रखे हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पूरी है। प्रशासन की ओर से स्कूल, कॉलेज, बाजार और सार्वजनिक परिवहन को भी आंशिक रूप से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। बाड़मेर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

पंजाब सरकार ने 22 पीसीएस अधिकारियों का किया तबादला

चंडीगढ़ ,ए.। पंजाब सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव करते हुए 22 पीसीएस अधिकारियों के तत्काल प्रभाव से तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में सोमवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पाक नहीं आ रहा बाज, राजौरी में बरसाई गोलियां, विकास आयुक्त समेत 5 की मौत

-सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख, भारत ने भी की पाकिस्तान की कई चौकियां नष्ट

श्रीनगर, (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रह है। इसी बीच शनिवार सुबह श्रीनगर और आस-पास के इलाकों में पाकिस्तान से भारतीय जवानों की मुठभेड़ जारी रही। राजौरी, पुंछ और जम्मू जिलों में शनिवार सुबह पाकिस्तानी गोलाबारी में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजकुमार थापा और उनके दो कर्मचारी राजौरी शहर में उनके सरकारी आवास पर एक तोप का गोला गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां राजकुमार थापा ने दम तोड़ दिया।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि शुक्रवार को ही वह डिप्टी सीएम के साथ जिले में घूम रहे थे और ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए थे। शनिवार को अधिकारी के आवास पर पाकिस्तान ने गोलाबारी की, जिसमें अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राजकुमार थप्पा की मौत हो गई। वहीं सीएम उमर अब्दुल्ला ने इस भयानक जान-माल के नुकसान पर दुख जताते हुए कहा कि इस सदमे को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। ईश्वर राजकुमार थापा की आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दें।

बता दें पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मिसाइल हमला किया। जम्मू एयर बेस, पठानकोट एयर बेस, श्रीनगर, ब्यास और उधमपुर पर फतेह-1 मिसाइल दागी गई। इन इलाकों में जोरदार धमाके सुनाई दिए। बीती रात अधिकारियों के मुताबिक एयरपोर्ट समेत कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के पास धमाके सुनाई दिए। जैसे ही धमाके सुने गए, शहर में सायरन बजने लगा। अधिकारियों ने बताया कि शहर और घाटी के ज्यादातर हिस्सों में बिजली बंद कर दी गई है। पाकिस्तान ड्रोन हमलों के साथ ही नौशहरा, पुंछ और कुपवाड़ा में एलओसी पर मोर्टार और गनों से रियासशी इलाकों को निशाना बना रहा है। भारतीय सेना इसका करारा जवाब दे रही है और पाकिस्तान से आने वाली हर मिसाइल को हवा में ही मार गिरा रही है।

भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान की कई चौकियां नष्ट हो गई हैं। पाकिस्तानी हमले में एक भारतीय सैनिक शहीद हुआ है और पुंछ व आरएसपुरा में दो लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान सेना ने गुरुवार रात राजौरी, पुंछ, उरी, कुपवाड़ा व बारामुला सेक्टरों में मोर्टार और तोपों से गोले बरसाए जो शुक्रवार सुबह तक जारी थे।

पाकिस्तान का दावा निकला झूठाः भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर नहीं किया हमला

नई दिल्ली, (ए.)। पाकिस्तान झूठ बोलने में माहिर है। अपने झूठ को सच साबित करने के लिए नीचे से नीचे गिर सकता है और कुछ भी कर सकता है। पाकिस्तान द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से भारत को नुकसान पहुंचाने और साजिश रचने के लिए तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। ऐसा ही एक दावा ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमले को लेकर किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है। पीआईबी के फैक्ट चेक ने इस दावे की पोल खोलकर रख दी है। पीआईबी ने फैक्ट चेक में बताया कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया जा रहा है कि भारत ने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमला किया है, जबकि यह दावा पूरी तरह फर्जी है। एक्स हैंडल पर फर्जी वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने के लिए ऐसे कंटेंट बनाए जाते हैं। कृपया सतर्क रहें। ऐसे वीडियो फॉरवर्ड न करें। इसके अलावा, एक पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया हैंडल ने भारतीय पायलट को पकड़ने का दावा किया, जो फर्जी निकला।

पीएम मोदी ने ली हाईलेवल मीटिंग, सीडीएस समेत तीनों सेना प्रमुख रहे मौजूद

-भारत ने पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ और फरेब को किया खारिज

नई दिल्ली, (ए.)। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस और भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की। यह बैठक पाकिस्तान के 26 भारतीय ठिकानों पर हमले के जवाब में शनिवार तड़के भारत द्वारा पाकिस्तान के चार एयरबेसों पर किए गए हमलों के बाद हुई। इससे पहले शनिवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच चल रहे घटनाक्रम के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

विक्रम मिस्त्री ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की जा रही कार्रवाइयों को बढ़ाने वाली और उकसाने वाली प्रकृति के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने पाकिस्तान की भड़काऊ कार्रवाइयों के सबूत पेश किए गए और साथ ही पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को भी उजागर किया गया। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान की कार्रवाई उकसावे और तनाव बढ़ाने वाली थी।

जवाब में भारत ने जिम्मेदारी और संयम से बचाव किया और उनके हमलों का जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान के दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना अभियान को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय सैन्य संपत्तियों और बुनियादी ढांचे के विनाश का झूठा दावा किया गया था।

भारत-पाक तनाव पर संजय दत्त का संदेश

आतंकवादी अब समझ लें कि ये देश झुकता नहीं

मुंबई ,ए.। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पहलगाम हमले का बदला लिया। इसको लेकर कई भारतीय कलाकारों ने सेना की प्रशंसा करते हुए इसे गौरवान्वित करने वाला क्षण बताया। इस कड़ी में बॉलीवुड स्टार संजय दत्त ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए अपना अटूट समर्थन जाहिर किया और भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि लड़ाई किसी देश के खिलाफ नहीं बल्कि उन लोगों के खिलाफ है जो भय और हिंसा फैलाते हैं। संजू बाबा के नाम से मशहूर एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हमारे लोगों पर लगातार हो रहे हमलों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर : महबूबा मुफ्ती ने जताया एडीसी की मौत पर दुख

जम्मू, (ए.)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सीमा पार से हुई भारी गोलाबारी में कई घरों को नुकसान पहुंचा है और इस हमले में राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा की मौत हो गई। जम्मू कश्मीर पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने उनके निधन पर दुख जाहिर किया है। पाकिस्तान की ओर से की गई इस गोलीबारी ने राजौरी शहर को निशाना बनाया गया जिसमें कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, सीमा पार से गोलाबारी के कारण राजौरी में हमारे एक बहादुर अधिकारी- राज कुमार थप्पा एडिशनल डीसी की दुखद मौत के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ।

सबका लक्ष्य नेशन फर्स्ट होना चाहिए, ये काम सिर्फ सेना के जवानों का नहीं है : सीएम योगी

लखनऊ ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को शिक्षक धन्यवाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल अच्छे अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे नैतिक मूल्यों, संस्कारों और राष्ट प्रथम की भावना से जोड़ना चाहिए। हम अक्सर शिक्षा को अंकों तक सीमित कर देते हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य जीवन निर्माण है। एक ऐसा जीवन जो देश के लिए उपयोगी हो, समाज के लिए प्रेरणा हो। उन्होंने कहा कि जब हम शिक्षा को संस्कारों और राष्टीय मूल्यों से जोड़ते हैं, तभी विकसित भारत की नींव रखी जा सकती है। विकसित भारत वह होगा, जहां हर नागरिक सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प देशवासियों को दिया है, उसमें शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी पीढ़ी को गढ़ने का कार्य कर रहे हैं, जो आने वाले समय में न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट होगी, बल्कि नैतिक दृष्टिकोण से भी मजबूत होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी के लिए नेशन फर्स्ट ही पहला मंत्र होना चाहिए।

'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना'

पूरे विश्व में भूजल भंडारण का नया अध्याय लिखेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश सरकार महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर कई क्षेत्रों में कार्य करेगी

प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार में मूर्त रूप ले रही हैं अंतर्राज्यीय परियोजनाएंः मुख्यमंत्री श्री फडणवीस

"मध्यप्रदेश महाराष्ट्र अंतर्राज्यीय नियंत्रण मंडल" की 28वीं बैठक संपन्न

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि "तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना" विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंडवॉटर रीचार्ज परियोजना है। यह एक अनूठी परियोजना है जो पूरे विश्व में भूजल पुनर्भरण का नया अध्याय लिखेगी। इससे प्रदेश के बड़े क्षेत्र विशेष रूप से निमाड़ का भूजल स्तर बढ़ेगा और यह वहां के लिए जीवन दायिनी सिद्ध होगी। इससे मध्य प्रदेश के लगभग 01 लाख 23 हजार तथा महाराष्ट्र के 2 लाख 37 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा विकसित होगी। यह सौभाग्य का विषय है कि आज महाराष्ट्र सरकार के साथ इस परियोजना के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। दशकों से रूकी पड़ी मेगा रिचार्ज योजना की दिशा में हम आगे बढ़े हैं। पहले भी केन-बेतवा तथा पार्वती काली सिंध चंबल परियोजनाओं की दशकों से अटकी परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। एमओयू के उपरांत दोनों राज्य सरकारें भारत सरकार को ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना को अंतर्राज्यीय राष्ट्रीय सिंचाई परियोजना की स्वीकृति के लिए अनुरोध करेंगी।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने ÷तापी बेसिन मेगा रीचार्ज÷ परियोजना के एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए। इसके पहले मंत्रालय वल्लभ भवन में ÷मध्यप्रदेश महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल" की 28वीं बैठक में "ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज" परियोजना सहित दोनों राज्यों की अन्य सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में चर्चा हुई और निर्णय लिए गए।

कार्यक्रम में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री श्री गिरीश महाजन, जनजातीय कल्याण मंत्री श्री कुंवर विजय शाह, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन विभाग डॉ. राजेश राजौरा तथा महाराष्ट्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्य प्रदेश नदियों का मायका है तथा यहां 247 से अधिक नदियां प्रवाहित होती हैं। हमारी जल राशियों में अथाह गहराई है। गत लगभग 25 वर्षों से मध्य प्रदेश की कई अंतरराज्यीय परियोजनाएं राज्यों के बीच आपसी सहमति न बन पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन सभी परियोजनाओं को अब गति मिली है। राजस्थान सरकार के साथ पार्वती कालीसिंध चंबल परियोजना तथा उत्तर प्रदेश सरकार के साथ केन बेतवा लिंक परियोजना के बाद महाराष्ट्र सरकार के साथ ÷तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना÷ न केवल संबंधित राज्यों अपितु पूरे देश के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पार्वती कालीसिंध चंबल और केन बेतवा लिंक परियोजना की तरह ही इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए अब हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के पास जाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि वे हमारी बात को स्वीकार करेंगे। इससे इन दोनों परियोजनाओं की ही तरह इस परियोजना के लिए भी 90त्न राशि केंद्र सरकार द्वारा दी जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फडणवीस के आगमन पर आभार व्यक्त किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई दशकों से भारत में कई अंतरराज्यीय नदी परियोजनाएं राज्यों के बीच आपसी सहमति न होने के कारण अटकी हुई थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद अब ये योजनाएं मूर्त रूप ले रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सक्रियता के कारण आज 25 साल बाद मध्य प्रदेश महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की बैठक हुई है और उसमें तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना एवं अन्य सिंचाई योजनाओं पर सहमति बनी है। यह दोनों राज्यों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

संभल हिंसा में कथित रूप से शामिल तीन युवकों को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

प्रयागराज, (ए.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में हुई हिंसा में कथित तौर पर शामिल रहे तीन युवकों को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति डॉक्टर गौतम चौधरी ने गुरुवार को इन युवकों की जमानत मंजूर दी थी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि संभल घटना के संबंध में 700-800 अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि जब वे पथराव कर रहे थे, अचानक एक व्यक्ति ने गोली चला दी जिससे एक पुलिसकर्मी के पैर में गोली लगी थी। वकील ने दलील दी कि याचिकाकर्ता पूरी तरह से निर्दोष हैं और मौजूदा मामले में इन्हें झूठा फंसाया गया है। घटना में इनकी कोई विशेष भूमिका नहीं है। साथ ही गोली व्यक्ति के पैर में लगी जिससे उसकी जान को कोई खतरा नहीं हुआ। कोर्ट को इस बात के लिए भी आश्वस्त किया गया कि याचिकाकर्ता कानूनी प्रक्रिया में हर तरह का सहयोग करने को तैयार हैं और जब भी जरूरत होगी, कोर्ट के सामने हाजिर होंगे। साथ ही वे सभी तरह की शर्तें स्वीकार करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी 28 नवंबर, 2024 से जेल में बंद हैं और उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि सभी तथ्यों और परिस्थितियों, आरोपों की प्रकृति और अपराध की गंभीरता पर विचार करते हुए यह जमानत का मामला बनता है। इसलिए जमानत मंजूर की जाती है।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते से 740 प्रकरणों का निराकरण

श्योपुर ब्यूरो। श्री पवन कुमार शर्मा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्योपुर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय, श्योपुर एवं तहसील न्यायालय विजयपुर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ श्री पवन कुमार शर्मा, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर कमलों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित एवं सरस्वती माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, इस मौके पर श्री डी.एस. चौहान, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, श्री लीलाधर सोलंकी, विशेष न्यायाधीश, श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, जिला पंचायत सी.ई.ओ, सुश्री प्रतिष्ठा अवस्थी, प्रथम जिला न्यायाधीश, श्रीमती बबीता होरा शर्मा, तृतीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री ललित मुदगल, अध्यक्ष, जिला अभिभाषक संघ, श्योपुर एवं अधिवक्तागण, जिला न्यायालय, श्योपुर के सभी न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला न्यायालय श्योपुर में प्रीलिटिगेशन मामलों के लिए विद्युत विभाग, वन विभाग, नगर पालिका, बैंक एवं बी.एस.एन.एल. लैण्डलाईन आदि के प्रकरणों के निराकरण हेतु पृथक-पृथक स्टॉल लगाये गये जिन पर भारी संख्या में लोग अपने निराकरण के लिए स्टॉलों पर मौजूद थे तथा प्रकरणों में राजीनामा करने पर लोक अदालत स्मृति चिन्ह के रूप में फलदार पौधे पक्षकारों को प्रदान किये गये। नेशनल लोक अदालत में प्रीलिटिगेशन के विभिन्न विभागों के करीब 446 मामलें निपटाए जाकर राशि रूपये 10228240 की वसूली की गई। जिसमें विद्युत विभाग के लगभग 169 मामले निराकृत कर 3371000 राशि की वसूली की।

नगर पालिका के लगभग 227 निपटाए जाकर 958102 राशि की वसूली की गई। जिला न्यायालय, श्योपुर एवं तहसील न्यायालय, विजयपुर के न्यायिक अधिकारियों की खण्डपीठों ने कुल 294 मामलों का आपसी सुलह और समझौते से पक्षकारों के मामलों का निराकरण किया गया। जिसमें मोटर दुर्घटना के 02 मामलों में 240000 राशि का मुआवजा दिलाया गया तथा चौक बाउंस 16 मामलों में 2710200 राशि तथा आपराधिक प्रकरण के 126 मामलों में निराकरण किया गया एवं विद्युत विभाग के 80 मामलें निराकृत किए गए।

10 हजार रूपये की सहायता, व्हीलचेयर भी दी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा ग्राम दिमरछा तहसील वीरपुर निवासी 23 वर्षीय श्री संदीप रावत पुत्र श्री मुनेश रावत को उपचार हेतु रेडक्रॉस के माध्यम से मार्ग व्यय के लिए 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके साथ ही सामाजिक न्याय विभाग एवं डीडीआरसी के माध्यम से व्हीलचेयर भी प्रदाय की गई। अपने परिजनो के साथ आज श्योपुर आये युवक श्री संदीप रावत ने आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया कि गंभीर बीमारी के चलते दोनो पैर खराब हो गये है तथा दिव्यांगता होने से चलने फिरने में असमर्थ है, वर्तमान में जयारोग्य हॉस्पीटल ग्वालियर में उपचार चल रहा है, जहां चिकित्सको द्वारा परामर्श दिया गया है कि एम्स हॉस्पीटल दिल्ली अथवा भोपाल में ऑपरेशन होगा। उसने बताया कि आयुष्मान कार्ड बना हुआ है, जिसके माध्यम से उपचार की सुविधा तो मिल जायेगी, लेकिन आने-जाने के लिए मार्ग व्यय की व्यवस्था नही हो पा रही है, परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा 10 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। साथ ही युवक की दिव्यांगता होने से चलने-फिरने में आ रही कठिनाई को देखते हुए तत्काल ही डीडीआरसी के माध्यम से व्हीलचेयर भी उपलब्ध कराई गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने युवक को आश्वस्त किया कि आयुष्मान कार्ड से अपना उपचार करायें, इसके अलावा उपचार में ओर पैसो की आवश्यकता होने पर संबंधित अस्पताल का स्टीमेट उन्हें उपलब्ध कराये जाने पर मुख्यमंत्री स्वैच्छानुदान अंतर्गत सहायता के लिए प्रकरण भी भेजा जायेगा। उल्लेखनीय है कि युवक स्नातक पास है तथा 10वी एवं 12वी में अच्छे अंको से पास होकर मैधावी छात्र रहा है। परिजनो ने बताया कि चिकित्सको द्वारा ज्वाइंट डालने का परामर्श दिया गया है, जिसका उपचार एम्स दिल्ली अथवा भोपाल में होगा, ज्वाइंट डलने के बाद युवक फिर से अपने पैरो से चल सकेगा।

ऊर्जा क्षेत्र में मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2024-25 में एनर्जी हैंडलिंग का नया कीर्तिमान- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

श्योपुर ब्यूरो। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत प्रणाली के संचालन में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष प्रदेश के पारेषण नेटवर्क ने कुल 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6.2 प्रतिशत अधिक है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की विद्युत कंपनियों के अभियंताओं और तकनीशियनों की विशेषज्ञता, कुशल प्रबंधन और विद्युत प्रणाली के उत्कृष्ट रखरखाव का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए समस्त विद्युत कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैंडलिंग का रिकॉर्ड भी बना

उन्होंने आगे बताया कि 24 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश में एक दिन में सर्वाधिक एनर्जी हैंडलिंग का रिकॉर्ड भी बना। इस दिन 353.77 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जो राज्य की विद्युत प्रणाली की उच्च कार्यक्षमता, विश्वसनीयता और स्थिरता का प्रतीक है। बिजली की मांग में वृद्धि और निरंतर आपूर्ति ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने यह भी जानकारी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 95,137 मिलियन यूनिट ऊर्जा का संचालन किया गया था। इस वर्ष, बिजली की निरंतर बढ़ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह उपलब्धि राज्य में सभी स्तरों पर विद्युत प्रणाली की लगातार उपलब्धता के कारण संभव हो सकी। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से प्रदेश में एनर्जी हैंडलिंग (ऊर्जा संचालन) में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022-23 में 88,850 मिलियन यूनिट, वर्ष 2023-24 में 95,137 मिलियन यूनिट, और अब 2024-25 में 1,01,039.88 मिलियन यूनिट ऊर्जा का सफल संचालन हुआ है।

आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए कन्ट्रोलरूम स्थापित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए जारी सुरक्षा निर्देशो के क्रम में जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम स्थापित किया गया है, जो 24 घंटे सातो दिन कार्यरत रहेगा। कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष क्रमांक 99 में संचालित जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम के लिए सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर को नोडल अधिकारी एवं एडिशनल एसपी श्री प्रवीण भूरिया को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। कन्ट्रोलरूम का दूरभाष नंबर 07530-221459 है। कन्ट्रोलरूम तीन शिफ्ट में कार्य करेंगा, प्रत्येक शिफ्ट के लिए भी नोडल अधिकारी बनाये गये है, जिनमें डीपीओ महिला बाल विकास श्री ओपी पाण्डेय मोबाइल नंबर 9575551151, श्री शुभम अग्रवाल ईई पीएचई मोबाइल नंबर 6387520477 तथा प्रबंधक लोक सेवा श्री योगेश पुरोहित मोबाइल नंबर 9907237260 शामिल है। कन्ट्रोलरूम की तीनो पालियों में अलग-अलग कर्मचारी नियुक्त किये गये है।

अधिकारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशो के क्रम में 12 विभागो के शासकीय सेवको के सभी प्रकार के आगामी आवकाश तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिये गये है। इन विभागों में स्वास्थ्य, गृह विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय निकाय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पीएचई, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, लोक निर्माण, राजस्व, सामान्य प्रशासन, जल संसाधन एवं परिवहन विभाग शामिल है। उक्त विभागो के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश को प्रतिबंधित किया गया है, विशेष परिस्थितियों में मुख्यालय छोडने की अनुमति कलेक्टर से प्राप्त करनी होगी।

प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगा धानमिल सब स्टेशन

श्योपुर ब्यूरो। लाईन मेंटीनेंस के चलते आज 11 मई को धानमिल सब स्टेशन से प्रात 9 से दोपहर 2 बजे तक विधुत की सप्लाई बंद रहेगी। प्रबंधक विधुत वितरण केन्द्र श्योपुर ने बताया कि इसके चलते हजारेश्वर कॉलोनी, विकास नगर, कृष्णा पैलेस के पीछे, पटवारी कॉलोनी, शिवनगर कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड, श्रीनाथपुरम कॉलोनी, रेलवे फाटक, हिन्दु धर्मशाला, गैस एजेंसी रोड, बालापुरा, जयस्तभ, मैन बाजार, चूडी बाजार, घासगली, बोहरा बाजार, टोडी बाजार, ब्रम्हाण पाडा, मोती टिकिया, हम्माल मोहल्ला, पुरानी कचहरी, पुरानी सब्जीमंडी, छीपा मोहल्ला, गिट्टी क्रेशर, स्टेडियम, ढेगदा, जेल के पीछे, कलेक्ट्रेट के पीछे, आंनद नगर, शिवपुरी रोड क्षेत्र में विधुत का प्रदाय बंद रहेगा।

सुरक्षित प्रसव के बाद प्रसूता को ढोढर अस्पताल में भर्ती कराया

श्योपुर ब्यूरो। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिलीप सिंह सिकरवार ने बताया कि गत रात्रि को दीवानचंद का डेरा में श्री सुनील राजपूत की पत्नी श्रीमती ज्योति को प्रसव पीड़ा होने पर 108 एंबुलेंस को कॉल लगाया गया, कॉल सेंटर द्वारा नजदीकी उपलब्ध 108 जननी एंबुलेंस ढोढर को केस रैफर किया गया तथा एंबुलेंस चालक श्री विशंभर ढाकर एंबुलेंस लेकर दीवानचंद का डेरा के लिए रवाना हुए, गांव पहुंचकर श्रीमती ज्योति को एंबुलेंस में परिजनो के साथ ढोढर अस्पताल लाया जा रहा था, इसके पहले ही प्रसव पीडा होने पर एम्बुलेस चालक श्री विशंभर ढाकर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवार की महिलाओं की सहायता से श्रीमती ज्योति की सफल डिलेवरी कराई जिसमे ज्योति ने एक स्वस्थ बेटी को जन्म दिया है, इसके उपरांत जच्चा-बच्चा को ढोढर हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

जल का अपव्यय रोकने ग्रामीणों को किया प्रेरित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पीएचई विभाग द्वारा गांव-गांव में लोगो को नलो में टोटियां लगाकर जल का अपव्यय रोकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मसावनी में नल कनेक्शन में टोटी लगाकर पानी व्यर्थ न फैलाने के लिए ग्रामवासियों को प्रेरित किया गया तथा ऐसे नल जिनमें टोटियां नही लगी थी, उनमें टोटियां लगाई गई। इस अवसर पर जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई गई। जिला सलाहकार श्रीमती आराधना पराशर ने बताया कि ग्राम में जल सभा का आयोजन कर पेयजल स्रोतों के आसपास साफ सफाई रखने एवं शुद्ध पेयजल के महत्व पर चर्चा की गई तथा नलजल योजना में जलकर जमा करने के लिए ग्रामीणों को समझाइश दी गई।

दो विधवा महिलाओं को कल्याणी पेंशन स्वीकृत

कलेक्टर के निर्देश पर मानपुर में शिविर आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा गत दिवस मानपुर के भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देशो के क्रम में आज पंचायत भवन मानपुर पर विकासखण्ड स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दो विधवा महिलाओं श्रीमती शबाना एवं श्रीमती धापा बाई निवासी मानपुर को मौके पर ही सामाजिक न्याय विभाग द्वारा कल्याणी पेंशन स्वीकृत की गई, जिससे इन महिलाओं को अब 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त होगी। शिविर में तहसीलदार श्री अर्जुन सिंह भदौरिया, सहायक संचालक महिला बाल विकास श्री रिशु सुमन, श्रम निरीक्षक श्रीमती लक्की शिवहरे, एसडीओ पीएचई श्री ओपी नागर, पीसीओ श्री मोहम्मद आशिक सहित अन्य अधिकारी एवं पंचायत के पदाधिकारी उपस्थित रहें। तहसीलदार श्री अर्जुन सिंह भदौरिया ने बताया कि शिविर में 35 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से आवास से संबंधित आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से पात्रता परीक्षण कराकर आवास योजना में लाभ दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

ग्राम पंचायतो में हुआ बी-वन का वाचन

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठक में गत दिवस दिये गये निर्देशो के क्रम में आज ग्राम पंचायतो में पटवारियों द्वारा बी-वन का वाचन किया गया। तहसीलदार विजयपुर श्रीमती प्रेमलता पाल ने बताया कि उक्त निर्देशो के क्रम में तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायतो में ग्रामीणों के समक्ष बी-वन का वाचन करने की कार्यवाही की गई। उन्होने बताया कि उनकी उपस्थिति में ग्राम दोर्द में बी-वन का वाचन किया गया तथा ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।

सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने आपातकालीन तैयारियों को लेकर ली बैठक

दतिया। कलेक्टर संदीप कुमार माकिन के निर्देशन में चिकित्सीय अपातकालीन तैयारियों, आपदा बचाव दल के साथ ही रेपिड रिस्पांस टीम गठित करने के अलावा चिकित्सकीय इकाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.के. वर्मा दतिया ने आज शनिवार को अस्पताल प्रबंधन दल की बैठक ली। बैठक के दौरान डॉ. जयंत यादव मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी (उनाव) विकासखण्ड दतिया, डॉ. गौरव गुर्जर मेडिकल ऑफीसर, डॉ. सौमित्र बुधौलिया डीपीएम, अमित अहिरवार डीईआईएम, अनिल गुप्ता डीईओ, संतोष राठौर एम.पी.डब्ल्यू, शिवा चतुर्वेदी फार्मासिस्ट, शिवानी चतुर्वेदी कम्प्यूटर ऑपरेटर, विपुल शर्मा एलडीसी, मो. मुकीम कुरैशी डीईओ, ज्ञानेन्द्र शर्मा आई/सी एसीसी शामिल रहे। उन्होंने बैठक के दौरान प्रबंधन समूह से कहा कि चिकित्सकीय सेवाओं को उच्च अलर्ट पर रहने और व्यापक तैयारियां करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा जारी की गई योजनानुसार हमें हर स्तर पर तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करनी है। इस बीच उन्होंने 05 प्रमुख बिन्दुओं पर चिकित्सकीय प्रबंधन समूह को जानकारी दी। इतना ही नहीं तैयारियों के लिए अलग-अलग जिम्मेदारी भी दी।

रणनीतिक योजना और समन्वय

डॉ. वर्मा ने बताया कि आपातकालीन स्थिति के मामले में एक मेडिकल इमरजेंसी रिस्पांस प्लान एवं डिजास्टर रिकबरी प्लान तैयार करें तथा रेपिड रिस्पॉन्स टीम एवं मोबाइल रिस्पॉन्स टीम गठित किया जाना है। इसके अलावा जिला एवं विकासखण्ड स्तरों पर नोडल अधिकारियों का चिन्हांकन कर उन्हें नामि करें।

संसाधनों की गणना एवं उपलब्धता

उन्होंने कहा कि जिले के अस्पतालों में बिस्तरों (आईसीयू एवं सामान्य), बेंटिलेटर, ट्रॉमा केयर इकाइयों की उपलब्धता, विशेषज्ञ, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने, समस्त चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जाने। स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक इमरजेंसी दवाओं, सर्जिकल उपकरणों, वैक्सीन एवं आपातकालीन जांच किट का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक रखने, जिले में आपातकालीन परिवहन हेतु क्रियाशील एम्बुलेंस (एएलएस एवं बीएलएस) की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ब्लड बैंकों एवं ब्लड स्टोरेज इकाइयों में पर्याप्त ब्लड यूनिट पैक की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जरूरत के मुताबिक ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने पर जोर दिया।

संस्था स्तरीय तैयारी

सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने प्रबंधन से कहा कि हमें संस्था स्तरीय तैयारियों पर ध्यान देना है। क्योंकि आपातकालीन स्थिति में मॉस कैज्युल्टी प्रबंधन के लिए चयनित अस्पतालों का चिन्हांकन कर आवश्यक तैयारी समय-सीमा में की जा सके। आपातकालीन सेवाओं की सुविधा, यथा संस्था में विद्युत व्यवस्था, जनरेटर, स्वच्छ पानी, ऑक्सीजन, दूरभाष/इंटरनेट इत्यादि की व्यवस्था भी करनी है।

मानव संसाधन की उपलब्धता

उन्होंने कहा कि संस्था स्तर पर इमरजेंसी मेडिकल टीम (ट्रॉमा, सर्जरी, बर्न इत्यादि) निर्मित की जाए जिसके अंतर्गत चिकित्सक, स्टाफ नर्स, पैरा-मेडिकल स्टाफ एवं अन्य आवश्यक कर्मचारियों को शामिल किया जाए। संस्था स्तर पर समस्त चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं कर्मचारियों का अपातकालीन सेवा प्रदायगी हेतु प्रशिक्षण व उन्मुखीकरण सुनिश्चित किया जाये। यदि आवश्यक हो तो सेवानिवृत्त चिकित्सकों, प्रशिक्षुओं, निजी अस्पतालों, चिकित्सा सेवाओं और स्वैच्छिक संगठनों जैसे रोटरी, आई.एम.ए., लायन्स क्लब आदि को शामिल किया जा सकता है। जरूरी समझे जाने पर संस्था स्तर पर समस्त कर्मचारियों को शामिल कर मॉक ड्रिल आयोजित की जाये।

पर्यवेक्षण एवं निगरानी

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर यथा समय रिपोर्टिंग एवं मॉनीटरिंग करने हेतु आवश्यक संसाधन एवं अन्य व्यवस्थाएं दुरस्थ करें, जिससे किसी भी आपात स्थिति/दुर्घटना/महामारी निर्मित होने पर यथा समय रिपोर्टिंग किया जाना संभव हो। स्वास्थ्य संबधी सायबर सुरक्षा की समीक्षा एवं आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाये। जरूरत के मुताबिक हेल्पलाइन और आपातकालीन सूचना केंद्र स्थापित करने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने शासकीय सेवकों के आगामी अवकाश तत्काल प्रभाव से किए प्रतिबंधित

दतिया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री संदीप कुमार माकिन ने आदेश जारी कर उप सचिव मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिले के विभिन्न विभागों के समस्त शासकीय सेवकों के सभी प्रकार के आगामी अवकाश तत्काल प्रभाव से अन्य आदेश तक प्रतिबंधित किए जाते हैं। उन विभागों में लोक स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पुलिस (गृह) विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग, जल संसाधन विभाग, परिवहन विभाग शामिल है।

कलेक्टर श्री माकिन ने निर्देशित किया है कि समस्त शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्यता उपस्थित रहें। विशेष परिस्थितियों में यथा संभव अथवा स्वयं के परिवार में विवाह, प्रसूति एवं संतान पालन, गंभीर बीमारी, दुर्घटना, स्वयं के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि के संबध में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा अवकाश स्वीकृत/अनुमति प्रदान की जाएगी। उपरोक्त विभागों के अतिरिक्त अन्य विभागों के शासकीय सेवकों के अवकाश आवेदनों पर अति आवश्यक होने पर ही स्वीकृति प्रदान की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस आदेश का कडाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में लोक अदालत का हुआ शुभारंभ

नेशनल लोक अदालत में विभिन्न विभागों के प्रकरण का हुआ निराकरण

दतिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय दतिया में किया गया। साथ ही नेशनल लोक अदालत का आयोजन तहसील सेवढा एवं भाण्डेर में किया गया। जिला मुख्यालय दतिया में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संजीव श्रीवास्तव द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अशोक गुप्ता, विशेष न्यायाधीश श्रीमती शशिकांता वैश्य, जिला जज श्री उत्सव चतुर्वेदी, जिला जज श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तव, जिला जज श्रीमती मंजुशा टेकाम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री सतीश वासुनिया, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 श्री देवेश मिश्रा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 श्रीमती संध्या देवेश मिश्रा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 श्रीमती ज्योति कुवाल, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 श्री विजिताश्व पुष्कर, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 सुश्री स्वपनिल वर्मा, सचिव एवं जिला जज विधिक सेवा प्राधिकरण दतिया कु. निधि पिंटो, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती विभूति तिवारी, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह जाट एवं अन्य पदाधिकारीगण तथा अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारी, बैंक, नगरपालिका, विद्युत विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। नेशनल लोक अदालत में जिला एवं तहसील स्तर पर 18 खंडपीठों का गठन किया गया था। जिनके द्वारा प्रीलिटीगेशन (न्यायालय पूर्व विवाद प्रकरण) एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों को सुना गया। नेशनल लोक अदालत में विभिन्न विभागों के प्रकरण रखे जाकर निराकृत किए गए। इस प्रकार कुल 591 प्रकरण न्यायालय में लंबित रखे गए थे, जिसमें से 554 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 25538300 रूपये का अवार्ड पारित किए गए तथा प्रीलिटीगेशन प्रकरणों में 825 प्रकरण रखे गए थे जिसमें से 118 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 3405986 रूपये की राशि विभिन्न विभागों द्वारा जमा कराई गई।

कानून व्यवस्था एवं आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक आज

दतिया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री संदीप कुमार माकिन ने आदेश जारी बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में विगत दिवस को कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ली गई, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा कानून व्यवस्था के संबध में दिशा निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से दिए गए निर्देशों के पालन में कानून व्यवस्था एवं आपदा प्रबंधन के संबध में कलेक्टर की अध्यक्षता आज 11 मई 2025 को समय प्रातः 10 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जा रही है।

सीएमएचओ डॉ. वर्मा ने किया इंदरगढ़ सीएचसी का दौरा, संस्था में आवश्यक दवाओं के साथ स्टाफकी उपस्थित को लेकर दिए निर्देश

दतिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.के. वर्मा ने शनिवार को इंदरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के विभिन्न यूनिटों को चैक किया तथा स्टाफ के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर डॉ. अरूण शर्मा मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी इंदरगढ़ सहित अन्य स्टाफमौजूद रहा। दूसरी तरफस्वास्थ्य संस्था छिकाऊ का निरीक्षण किया। जहां सीएचओ संस्था से गायब मिले। जिसके बाद सीएचओ को नोटिस जारी किया गया। सीएमएचओ डॉ. वर्मा दोपहर के समय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इंदरगढ़ पहुंचे। संस्था में उपस्थित बीएमओ डॉ. शर्मा से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने आपातकालीन चिकित्सकीय सेवाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए ओपीडी, असंचारी रोग वार्ड, महिला एवं पुरूष वार्ड, औषधि केन्द्र और लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएमओ से कहा कि जीवन रक्षक दवाओं की संस्था में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं रहे। इतना ही नहीं स्टाफके अवकाश आवेदनों को स्वीकृति ना दी जाये। इसके बाद सीएमएचओ डॉ. वर्मा स्वास्थ्य केन्द्र छिकाऊ पहुंचे। जहां संस्था बंद पाई गई। संस्था में तैनात सीएचओ को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान

जिले में पुराने कुँए करेंगे जल सहेजने का काम, वर्षा जल सहेजने के लिये हर ग्राम पंचायत में 4 - 4 कुँओं को रीचार्ज करने का लक्ष्य, अभियान के तहत नई संरचनाओं के साथ-साथ पुरानी जल संरचनाओं का हो रहा है जीर्णोद्धार, जल संरचनायें उपयोगी हों इसलिए जीआईएस तकनीक से किया गया है स्थल चयन

ग्वालियर। लम्बे समय तक पेयजल के प्रमुख स्त्रोत रहे ऐसे कुँए जो सूख चुके हैं वे अब वर्षा जल सहेजने में अहम भूमिका निभायेंगे। ग्वालियर जिले में सरकार द्वारा चलाए जा रहे ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के तहत कुँओं के पुनर्भरण (रीचार्ज) का काम हाथ में लिया गया है। जिले की हर ग्राम पंचायत को 4 ङ्क 4 कुँए रीचार्ज करने का लक्ष्य दिया गया है। बहुत सी पंचायतों द्वारा यह काम शुरू कर दिया गया है। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के साथ-साथ नई संरचनायें बनाने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिए हैं। इसके लिये जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार के निर्देशन में सुनियोजित कार्ययोजना बनाई गई है। जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी श्री रविन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि ग्रामीण अंचल में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के तहत 965 संरचनायें चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 895 संरचनाओं की स्वीकृति दी जा चुकी है। साथ ही 880 संरचनाओं का काम भी शुरू हो गया है। जिले में 736 खेत तालाब बनाने का काम भी शुरू हो चुका है। इसके अलावा जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित 1393 विभिन्न प्रकार के पूर्व वर्षों के कार्यों का जीर्णोद्धार कराने का लक्ष्य भी रखा गया है। जिले में इस साल 15 नए अमृत सरोवर स्थल चिन्हित किए गए हैं, इनमें से 6 कार्यों की स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरचनाओं का चयन जीआईएस तकनीक के आधार पर किया गया है, इससे ग्रामीणों को इन संरचनाओं का अधिकाधिक लाभ मिलेगा। बड़े पैमाने पर खेत तालाब व अमृत सरोवर का निर्माण, डगवैल रीचार्ज एवं पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का काम हाथ में लिया गया है। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खासतौर पर मनरेगा (महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) से 400, 1000 व 3600 घन मीटर क्षमता के खेत तालाब मंजूर किए गए हैं। खेत तालाबों के स्थल चयन में सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से यह पता चल जाता है कि किस क्षेत्र में खेत तालाब बनाने पर पानी भरेगा और वह लम्बे समय तक टिकेगा। खेत तालाबों से जल स्तर तो बढ़ेगा ही, साथ ही क्षेत्रीय किसानों को सिंचाई की सुविधा भी मिलेगी। इसके अलावा मछली व सिंघाड़ा पालन भी खेत तालाबों में कराया जायेगा। खेत तालाबों की मेढ़ों पर अरहर की बुवाई के लिये भी किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय अर्जित होगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर मिलेगी 20 प्रतिशत छूट

ग्वालियर। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। इस आशय का निर्णय मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा लिया गया है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट एलवी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। एल.वी.-1 घरेलू और एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट पीक ऑवर्स (सुबह) 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह एल.वी.-2ः गैर-घरेलू और एल.वी.-4ः एल.टी. औद्योगिक ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। उपरोक्त दोनों ही श्रेणियों में यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी। वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें एल.वी.-1 घरेलू, एल.वी.-2 गैर घरेलू, एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलवी-4 एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

आईएसबीटी के लिये हुआ जमीन का गजट नोटिफिकेशन

आईएसबीटी को सार्वजनिक उपयोग के लिये मिली 25 एकड़ जमीन

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के स्वामित्व की गोला का मंदिर मुरैना लिंक रोड पर मल्लगढ़ा चौराहा, ईएफओ कार्यालय के समीप स्थित 25 एकड़ जमीन पर अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) घोषित किया गया है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारी एवं संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री द्वारा जारी यह आदेश मध्यप्रदेश के राजपत्र में प्रकाशित हो गया है।

इसके साथ ही यह जमीन सार्वजनिक उपयोग के लिये विधिवत अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड को मिल गई है। जिस 25 एकड़ जमीन पर अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड घोषित हुआ है, उसमें से 6824.64 वर्गमीटर पर टर्मिनल भवन, 84 वाहनों के लिये आईडियल पार्किंग, 192 फ्यूचर एक्सपेंशन (24 एक्टिव पार्किंग एरिया व 44 आईडियल पार्किंग एरिया), 156 ईसीएस पार्किंग (इक्यूवेलेंट कार स्पेस), 54 दुपहिया वाहनों की पार्किंग, 130 चार पहिया वाहनों की पार्किंग, 2000 वर्गमीटर प्लाजा क्षेत्र, 4 शौचालय परिसर, 860 वर्गमीटर कार्यालय क्षेत्र, 1800 वर्गमीटर वेटिंग एरिया, 52 बसों के लिये बस-वे, 450 वर्गमीटर में ड्रायवर लाउंज, 20 सीटर टिकिट काउण्टर एवं 21 मीटर रो में सड़क की चौड़ाई शामिल है।

आपात स्थिति से निपटने के लिये एहतियात बतौर जिले के कस्बों व ग्राम स्तर तक तैयारी

डबरा में हुई सिविल सोसायटी की बैठक, प्रतिनिधियों ने कहा कि हर स्थिति से निपटने के लिये तैयार है डबरा

ग्वालियर। जिले में हर प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिये एहतियात बतौर ग्वालियर शहर से लेकर अन्य कस्बों व ग्रामीण स्तर तक तैयारियाँ की जा रही हैं। इस सिलसिले में शनिवार को डबरा में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्री दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में सिविल सोसायटी की बैठक आयोजित हुई। आपात स्थिति के लिये डबरा राजस्व अनुविभाग की कार्ययोजना पर बैठक में गहन विचार मंथन हुआ। कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिये सभी प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए गए। बैठक में मौजूद प्रतिनिधियों ने आपात स्थिति से निपटने में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही कहा कि डबरा शहर विषम से विषम परिस्थिति से निपटने के लिये पूरी तरह तैयार है। कृषि उपज मंडी समिति डबरा के परिसर में आयोजित हुई बैठक में व्यापारीगण, रेडक्रॉस समिति, लायंस क्लब व रोटरी क्लब के सदस्यगण, समाजसेवी, विद्यार्थी परिषद के सदस्य, मैरिज गार्डन संचालक, स्कूल संचालक, डीजे यूनियन के सदस्य शामिल हुए। साथ ही तहसीलदार डबरा श्री दिव्यदर्शन शर्मा एवं सीएमओ नगर पालिका डबरा, जनपद पंचायत के सीईओ, बीएमओ, बीआरसीसी, बीईओ व विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी शामिल हुए।

सीएम राइज एवं उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षकों के लिए संभाग स्तरीय आनंद सभा कार्यशाला का शुभारंभ

ग्वालियर। राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग भोपाल एवं संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर श्री दीपक पांडे के निर्देशन में श्रीमंत माधवराव सिंधिया श्रमोदय विद्यालय ग्वालियर में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सीएम राइस एवं उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षकों के लिए सार्वभौमिक मानवीय मूल्य पर आधारित छह दिवसीय आनंद सभा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। आनंद सभा कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों में सही समझ एवं सही भाव को विकसित करना जो कालांतर में छात्र-छात्राओं में विकसित हो सके। आत्म निरीक्षण, कल्पनाशीलता, इच्छा, भाव, विचार, आशा, सुख-दुख की पहचान और समग्र अस्तित्व में अपने स्थान को समझना जैसे विषयों पर चिंतन संवाद प्रक्रिया को मुख्य प्रबोधक सुश्री प्रियदर्शनी एवं सहायक प्रबोधक सुश्री अर्जिता द्विवेदी द्वारा समझाया जा रहा है। यह समस्त प्रक्रिया सहज स्वीकृति पर आधारित है, जिसमें परस्पर संबंधों की गहराई को अनुभव किया जा सकेगा। इस प्रशिक्षण शुभारंभ सत्र में उप संचालक शिक्षा श्री हरिओम चतुर्वेदी, सहायक संचालक श्री अरविंद कुमार झा, स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक आनंद श्री प्रदीप महतो व नवोदय विद्यालय प्राचार्य सुश्री नीलमा श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

जिले में खाद्य सामग्री, रसोई गैस एवं पेट्रोल व डीजल का पर्याप्त भण्डारण

अवैध भण्डारण व जमाखोरी करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जारी किया आदेश, आवश्यक वस्तुओं की आमजन तक सहज उपलब्धता बनाए रखने के दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में खाद्य सामग्री, पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस का पर्याप्त भण्डारण है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने आमजनों तक आवश्यक वस्तुओं अर्थात खाद्य सामग्री व रसोई गैस की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये आदेश जारी किया है। उन्होंने सभी एसडीएम एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को इस आदेश का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिले के सभी थोक, रिटेल व खाद्य पदार्थों का भण्डारण करने वाले व्यवसाइयों को साफतौर पर आदेशित किया है कि वे खाद्य पदार्थों की जमाखोरी न करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए हैं कि जिले में खाद्य पदार्थों व रसोई गैस इत्यादि का पर्याप्त भण्डारण है। इसलिये वे आमजन तक खाद्य सामग्री की सहज उपलब्धता पर स्वयं नजर रखें। साथ ही अपने अनुविभाग क्षेत्र में खाद्य पदार्थों, डीजल, पेट्रोल व एलपीजी गैस के अवैध भण्डारण अर्थात जमाखोरी की सूचना मिलने पर तत्काल निरीक्षण कर संबंधित के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई करें। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी पेट्रोल पंप संचालक अपने पेट्रोल पंप पर 24 घंटे 2000 लीटर डीजल और एक हजार लीटर पेट्रोल का रिजर्व स्टॉक आगामी आदेश तक रखना सुनिश्चित करें। डीजल पेट्रोल की बिक्री बोतल अथवा अन्य पात्र में न किया जाए। आदेश में साफ किया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी एवं अवैध भण्डारण पाए जाने पर मोटर स्प्रिट एवं हाईस्पीड डीजल ऑयल (प्रदाय तथा वितरण का विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश, चोर बाजारी निवारण व आवश्यक वस्तु प्रदाय आदेश, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

शिविर में 'श्रीमद्भागवत के श्लोक, सामवेद संगीत और सनातन संस्कारों' से बच्चों को मिली सीख

ग्वालियर। कृष्णायन सांस्कृतिक पुनर्जागरण शिविर के छठवें दिन का आयोजन ज्ञान, सेवा, संगीत और संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर रहा। दिन की शुरुआत श्रधेय स्वामीजी के प्रेरणादायक संवाद से हुई, जिसमें उन्होंने बच्चों को आत्मचिंतन हेतु प्रेरित किया और बीते पांच दिनों की सीख का पुनरावलोकन कराया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी अनुभूतियाँ साझा कीं। इसके पश्चात् प्रसिद्ध वैदिक संगीत विशेषज्ञ श्री रविन्द्र कुलश्रेष्ठ जी ने सामवेद संगीत पर विचार व्यक्त करते हुए बांसुरी वादन की मूल विधियों को सहजता से समझाया। 'स्वर्ग सदन' संस्था के संचालक श्री विकास गोस्वामी जी ने अपनी सेवा यात्रा साझा करते हुए बताया कि कैसे छोटे-छोटे मानवीय प्रयास बेसहारा और पीड़ित लोगों के जीवन में आशा की किरण बन सकते हैं। उनकी संवेदनशील बातें बच्चों के मन में करुणा और सेवा भावना का संचार कर गईं। इसके बाद श्रीमती सीमा कालिया जी ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का वाचन कराया और कथाओं के माध्यम से जीवन के मूल्यों को सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। गौ विज्ञान पर श्री अनिरुद्ध त्रिपाठी जी ने देशी गाय के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व को प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने२ प्रोटीन, सूर्यकेतु नाड़ी और गौमाता से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा जैसे विशिष्ट पहलुओं पर प्रकाश डाला और बच्चों को गौ सेवा के लिए प्रेरित किया। अंत में ग्वालियर नगर निगम के पार्क विभाग से पधारे श्री आशीष मंगल जी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्थलों की देखरेख के विषय में प्रेरक संवाद किया।

उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में हुआ नेशनल लोक अदालत का आयोजन

ग्वालियर। मुख्य न्यायाधिपति / मुख्य संरक्षक, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक, प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के मार्गदर्शन में शनिवार को म0प्र0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक व सामाजिक कार्यकर्ता डा. एस.के. माथुर, न्यायाधिपति श्री हृदेश व सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती आशा मगोन की कुल 02 खण्डपीठों के द्वारा आपसी सहमति के आधार पर कुल 290 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा मोटर दुर्घटना क्लेम अपील प्रकरणों में पीडित पक्षकारों को राशि रूपये तीन करोड़ तेरह लाख दस हजार अतिरिक्त क्षतिघन के रूप में प्राप्त हुए। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रिंसिपल रजिस्ट्रार / सचिव श्री राजीव के. पाल द्वारा बताया गया है कि लोक अदालत का मूल उद्देश्य आपसी वैमनस्यता एवं विवादों का आपसी सहमति व राजीनामा के आधार पर प्रकरणों का निराकरण करना है, जिस कारण उभयपक्ष के मध्य विद्यमान विवाद बिना किसी की हार-जीत के साथ समाप्त हो। इसी मूल भावना को आधार बनाकर नेशनल लोक अदालत के पूर्व न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक, प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय में विचाराधीन राजीनामा योग्य प्रकरणों मुख्यतः बीमा कंपनी के प्रकरणों को चिन्हित कर सूची तैयार की गई, तत्पश्चात बीमा कंपनी के अधिकारी/अधिवक्तागण तथा पक्षकार व उनके अधिवक्तागण के साथ विभिन्न दिनांकों को प्री-सिटिंग आयोजित की जाकर राजीनामा के आधार पर प्रकरणों के निराकरण हेतु उभयपक्ष में सहमति बनाई गई, जिसके फलस्वरूप 190 क्लेम प्रकरणों सहित कुल 290 प्रकरणों का उक्त लोक अदालत में निराकरण किया गया है।

सभापति श्री तोमर ने स्वच्छता मित्रों को धूप से बचाव के लिए स्टॉल, साफी एवं ग्लब्स किए वितरित

ग्वालियर। सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने सफाई कर्मचारियों को धूप से बचाव के लिए लेडीज स्टॉल, साफी एवं ग्लब्स तथा मास्क वितरण किए।सभापति श्री तोमर ने इस अवसर पर कहा कि शहर साफ व स्वच्छ रहे इसके लिए सफाई कर्मी दिन रात मेहनत करते है। चूंकि अभी अत्यधिक गर्मी पड रही है। सफाई कर्मियों को धूप से बचाव के लिए आज सफाई दूत भाइयों को साफी, बहनों को लेडीज स्टॉल सहित हाथों के ग्लव्स और मास्क वितरित किए। इसके साथ ही सभी को सलाह दी की गर्मी से बचाव करते हुए शहर का साफ व स्वच्छ रखें।

चेतकपुरी चौराहा पर यातायात को अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले वालों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री सिंघप्रिय के निर्देशानुसार उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज चेतकपुरी चौराहा पर यातायात अवरुद्ध कर रहें हाथ ठेले एवं फुटपातियों को हटाया जाकर सामान जप्ती की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही सख्त हिदायत दी गई के उक्त स्थल पर ठेला फड़ आदि लगा कर किसी प्रकार का अतिक्रमण न किया जावे, अन्यथा की स्थिति में मदाखलत विभाग द्वारा सामान जप्त कर जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव एवं (पूर्व) दल सहित की गई।

आध्यात्मिक पर्यटन, उद्योग क्षेत्र,बागवानी और लिपि संरक्षण में परस्पर सहयोग बढ़ाएंगे मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्यों की साझा विरासत का मिलकर करेंगे संरक्षण

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र विभिन्न क्षेत्रों में साथ कार्य करेंगे। दोनों राज्यों की साझा विरासत के संरक्षण में मिलकर कार्य करेंगे। उद्योगों के क्षेत्र और सांस्कृतिक आध्यात्मिक परंपराओं, पर्यटन और बागवानी के क्षेत्र में दोनों राज्यों की परस्पर सहयोग की गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में ÷तापी मेगा रिचार्ज परियोजना÷ से संबंधित एमओयू हस्ताक्षरित होने के पश्चात अन्य क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने के बारे में विचार व्यक्त किए।

जबलपुर- नागपुर कॉरिडोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स तथा कृषि उत्पादन का महाराष्ट्र के विभिन्न बंदरगाहों के माध्यम से काफी निर्यात होता है। महाराष्ट्र के विभिन्न बंदरगाहों में एक डेडिकेटेड निर्यात सुविधा प्रकोष्ठ के गठन की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। जबलपुर से नागपुर के मध्य एक डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर बन जाने से मध्य भारत क्षेत्र में माल परिवहन में भाड़ा, समय और लागत की अत्यधिक बचत संभव होगी।

आध्यात्मिक पर्यटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे अनेक तीर्थ दोनों राज्यों और देश के नागरिकों के आस्था केंद्र हैं। मध्यप्रदेश के दोनों ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर और श्री ओंकारेश्वर को महाराष्ट्र के ज्योतिर्लिंग श्री त्र्यंबकेश्वर, श्री भीमाशंकर और श्री घृष्णेश्वर से जोड़कर धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा सकता है।

देवी अहिल्या के योगदान से दोनों राज्यों के युवाओं को कराएंगे अवगत

लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर का महाराष्ट्र से संबंध था। बुनकर समाज के हित में महेश्वर सहित मालवा के अन्य स्थानों पर प्रशिक्षण और व्यवसाय उन्नयन के प्रयास किए जा रहे हैं। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के सांस्कृतिक, धार्मिक और सुशासन क्षेत्र के योगदान से दोनों प्रदेशों के प्रमुख नगरों में लाइट एण्ड साउंड शो, नाटक मंचन के माध्यम से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करवाया जा सकता है। आगामी 20 मई को राजवाड़ा इंदौर में कैबिनेट बैठक का आयोजन लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के सम्मान में हो रहा है।

साहसी योद्धाओं के स्वर्णिम इतिहास पर दोनों राज्यों को गर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मराठा राजशाही का संबंध मध्यप्रदेश से रहा है। साहसी योद्धा बाजीराव पेशवा सहित होलकर, शिंदे (सिंधिया), तात्या टोपे, रानी लक्ष्मी बाई, अप्पाजी भोंसले से जुड़े इतिहास के गौरवशाली दस्तावेजों के संकलन और डिजिटलाइजेशन के कार्य भी किए जायेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.:-JHS / Commercial/ E-Auction/2025-104 Dated:-08.05.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)- झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई -नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी : पार्किंग | **केटलोग संख्या :** झांसी- पार्किंग -35

एसेट्स डिटेल्स

झाँसी मण्डल के अलग-अलग श्रेणी के रेलवे स्टेशनों में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के पार्किंग ठेके हेतु :-

क्र.सं.	स्टेशन	स्थान
1	VGLJ	Near west side booking office
2	VGLJ	Infront of GRP Thana
3	VGLJ	Adjoining to Pay office
4	VGLJ	Circulating area infront of Deluxe toilet
5	BNDA	PF No. 01 side

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय : दिनांकः-23.05.2025 को समयः - 11:00 से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : दिनांकः-23.05.2025 को समयः - 12:10 तक

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के e-auction module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **803/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

राहुल बोले और विवाद न हो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का पिछले दिनों संपन्न हुई विदेश यात्रा के दौरान ब्राउन विश्वविद्यालय में दिए गए भाषण का वीडियो जारी हुआ है। इसके सामने आते ही एक बार फिर न केवल अखबारों की खबर बनी है बल्कि एक बहस भी उठ खड़ी हुई है। वैसे भी ऐसा कम ही होता है कि राहुल गांधी बोले और उन पर विवाद न हो। तिस पर पर यहां तो राहुल गांधी का वह भाषण सामने आया है जिसमें वह एक ओर भाजपा के हिन्दुत्व पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। यानी उसे मुख्यधारा का हिन्दुत्व न बताकर हाशिये का हिन्दू बता रहे हैं तो दूसरी ओर जरनैल सिंह भिंडरावाले के उभार के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर सैनिक कार्रवाई और उसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या और फिर सिख विरोधी दंगों जैसी घटनाओं के संदर्भ में बात करते हुए इन्हें कांग्रेस की गलती बता रहे हैं। यह सब उन्होंने तब कहा जब एक सिख छात्र ने सिखों के साथ उनके संबंध की बात पूछी। दरअसल, पिछली यात्रा में राहुल गांधी ने कहा था कि वह भारत में इसलिए लड़ाई लड़ रहे हैं कि सिख अपनी पगड़ी पहन पा रहे हैं या नहीं। उनका आशय था कि भाजपा शासन में सिखों के लिए अपनी पहचान बचाना यानी पगड़ी पहनना तक मुश्किल हो जाएगा। इस संदर्भ में उनका कहना था कि सिखों के साथ उनके संबंध अच्छे हैं और कांग्रेस ने 80 के दशक में जो गलतियां की हैं, उसके लिए माफी मांगते हैं। भाजपा के हिन्दुत्व के संदर्भ में राहुल गांधी ने जो कुछ कहा उसके लिए तो भाजपा उन पर आक्रामक है, लेकिन असली मुद्दा जो उनके भाषण में से निकलकर आया है वह कांग्रेस की गलतियों के लिए उनके द्वारा माफी मांगे जाने की है। अब यह तो राहुल गांधी बता सकते हैं कि उन्होंने उस दौर में कांग्रेस के कार्य को किस बिना पर गलत ठहराया और माफी मांग रहे हैं तो किस हैसियत से मांग रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से इस मामले पर अभी कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है, लेकिन राहुल को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए जिससे यह पता चले कि वह क्या कहना चाहते हैं। दूसरे, उन्होंने अतीत की गलतियों को तो परख लिया लेकिन वर्तमान में वह अपने हर भाषण के बाद कांग्रेस को मुसीबत में डालने वाला विवाद खड़ा कर देते हैं, इस पर उनकी नजर क्यों नहीं जाती। इस पर भी उन्हें ध्यान देना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि कांग्रेस की अगली पीढ़ी को अपनी इस दौर की गलतियों के लिए माफी मांगनी पड़े।

पल-पल,क्षण-क्षण बर्बादी की ओर बढ़ता पाकिस्तान

(मनोज कुमार अग्रवाल-विनायक फीचर्स)

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। 7-8 और 9 मई की मध्य रात्रि में पाकिस्तान ने भारत के कई सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य स्थलों, एयरबेस एयरपोर्ट और नागरिक स्थानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले करने की हिमाकत की । बदले में भारतीय सेना ने बहुत संयम से काम लेते हुए जो प्रतिरोधक बचाव और पलटवार किया है उससे पाकिस्तान की हालत पतली हो गयी है। इस वक्त पाकिस्तान की जान हलक में अटकी हुई है। इसके बावजूद उसकी अकड़ कम नहीं हो रहा है। वह भारत के विरुद्ध ऐसी नापाक कोशिशें निरंतर कर रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बड़े। पहलगाम हमले के बाद भारत ने काफी संयम बरतते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पीओके में सिर्फ आंतकी समूहों के ठिकानों को निशाना बनाया है, जिन्होंने भारत के विरुद्ध साजिश रचने और हमले को अंजाम दिया था। पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ने की कोशिश है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। भारत ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश तो दिया ही लेकिन यह भी बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कहा कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ हम कभी नागरिकों को निशाना नहीं बनाएंगे। मगर दुःखद बात है कि आतंकी देश पाकिस्तान बौखलाहट में लगातार भारत विरोधी नापाक कोशिश रहा है। इसी नापाक कोशिश के तहत उसने भारत में 15 शहरों में स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे सेना ने नाकाम कर दिया। भारत के तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार 7 - 8 और 9 मई की बीच वाली रात को पाकिस्तान ने उत्तर और पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इनमें अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, उत्तरलाई, नाल, फलौदी और भुज शामिल थे। पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए इन स्थानों को निशाना बनाया। हालांकि, काउंटर यूएएस और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से भारत ने इन हमलों को निष्क्रिय कर दिया। हमलों को निष्क्रिय करने के बाद मलबे को बरामद कर लिया गया है। पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के पुंछ और तंगधार सेक्टर में लगातार गोलाबारी कर रहा है, जिससे भारत के कम से कम 15 नागरिकों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पाकिस्तान ने जान-बूझकर सीमा के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। गोलाबारी की वजह से कई घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और गांवों में भारी दहशत फैल गई है। हालांकि भारतीय सेना इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दे रही है और आने वाले समय में उसको और भी ज्यादा माकूल जवाब मिलेगा। आतंकी देश को समझना होगा कि वह भारत के विरुद्ध चाहे कितनी भी नापाक कोशिश कर लें, लेकिन वह अपने मकसद में कभी कामयाब नहीं हो सकता है। भारत अपने हवाई सुरक्षा ढांचे को इतना मजबूत कर चुका है, कि वह पाकिस्तान और पड़ोसी देशों से होने वाले संभावित हवाई खतरों का प्रभावी रूप से मुकाबला कर सके। देश की वायु रक्षा प्रणाली में आधुनिक मिसाइल सिस्टम, उन्नत रडार और समर्पित कमांड सेंटर शामिल हैं, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को समय रहते पहचान कर उन्हें नष्ट करने की क्षमता रखते हैं। भारतीय वायुसेना ने बुधवार रात भारत की तरफ आ रहे टारगेट्स को वायु रक्षा प्रणाली %एस-400 सुदर्शन चक्र मिसाइल सिस्टम% से निशाना बनाया। एस-400 से सफलतापूर्वक सभी टारगेट्स को तबाह कर दिया गया। वहीं भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हार्पी ड्रोन्स से पाकिस्तान के वायु सुरक्षा प्रणाली को निशाना बनाया और लाहौर स्थित रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उपकरणों का एक नेटवर्क है, जिसे हवाई खतरों से निपटने के लिए किसी विशिष्ट क्षेत्र में तैनात किया जाता है। यह दुश्मन के लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और ड्रोन्स को हवा में ही निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भारतीय वायुसेना के ताकतवर हथियारों में से एक माना जाता है।

शब्द सामर्थ्य -044

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

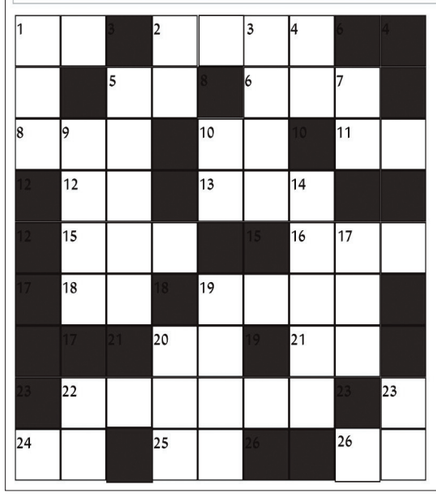

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 043 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

कविता

अस्तित्व तुम्हारा मिटा, तिरंगा हम फहराएंगे..

(इंजी. अरुण कुमार जैन-विनायक फीचर्स)

आतंकवाद व उग्रवाद के बीज रोपकर,
हथियारों की फसल धरा पर उगवाते हो!
कर बलात्कार निरीह बेटी बहिनों का,
खून के आँसू दे उनको तुम तड़पाते हो!
हर दिन अपराधों को करते हो, तुम सब मिलकर!
हम पर मिसाइल आक्रमण
भी करवाया,
धराशायी कर डाला भारत के वीरों ने,
उल्टे लहूलुहान कर तुमको मार भगाया.
लाहौर, कराची, रावलपिंडी सिसक रहा है,
सियाल कोट में तड़प रहे हैं तेरे भाई,
बलूचिस्तान में मारे जाते सैनिक तेरे,
फिर भी बुद्धि हे सठ तुझे न आयी!
घुस- घुसकर मारेंगे तुमको तेरे घर में,
बोटी बोटी नोच, मिटा देंगे हम तुमको,
मत टकराओ भारत माता के शोलों से,
शूर वीर, शौर्य, पराक्रम बलशाली जो.
मोदी, योगी अमित शाह का यह भारत है,
लल्लू, पंजू नहीं यहाँ जो डर जायेंगे,
वीर शिवा, आजाद, प्रताप के स्वरुप हैं,
अस्तित्व तुम्हारा मिटा, तिरंगा हम फहराएंगे।

कड़ी निंदा से कड़ी कार्यवाही तक

(विवेक रंजन श्रीवास्तव -विनायक फीचर्स)

आतंकवाद से छद्म युद्ध का दोहरा खेल खेलता पाकिस्तान आज भारत के कोप का शिकार है। पाकिस्तान पर अब तक 'कड़ा' रुख अपनाने और मुंबई हमले तक की भर्त्सना से संतोष करता भारत अब घुसकर मार रहा है। पाकिस्तान जो खुद आतंकवाद का पोषक रहा है, आतंक के खिलाफ युद्ध के नाम पर अमेरिका का ÷सबसे भरोसेमंद सहयोगी÷ बना हुआ दोहरा बनावटी मुखौटा जी रहा था। भले ही दाऊद, लादेन , हाफिज सईद , पाकिस्तान में ठिकाना बना कर रह रहें हों पर अमेरिकी विदेश विभाग की पुरानी रिपोर्ट में पाकिस्तान की तारीफ़ की जाती थी । वो जमाना था जब एक ओर पाकिस्तान की सेना आतंकी बनाती थी, तो दूसरी ओर आतंक के विरोध का नाटक कर अल-क़ायदा के आतंकियों को गिरफ़्तार करती थी, तालिबान के प्रवक्ता को अफ़ग़ानिस्तान को सौंपा था , और 'जिहाद के स्कूलों' (मदरसों) को नियंत्रित करने का झूठा वादा किया जाता था । यही वह दौर था जब लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, और हक्कानी नेटवर्क जैसे संगठन पाकिस्तान की धरती पर फल-फूल रहे थे। 2008 आते-आते यही संगठन मुंबई के ताज होटल, लियोपोल्ड कैफे, और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पर खून की होली खेल रहे थे। विरोधाभास की पराकाष्ठा ये कि जिस देश ने "आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई" का ढिंढोरा पीटा, उसी की छत्रछाया में 26/11 जैसा नृशंस हमला हुआ । 'कार्रवाइ' का नाटक और आतंक की नर्सरी पाकिस्तान ने आतंकवादियों के खिलाफ जो ÷कड़ी कार्रवाई÷ की, उसका असली मकसद अंतरराष्ट्रीय दबाव को संतुष्ट करना था। अमेरिका को दिखाने के लिए कुछ आतंकियों को गिरफ़्तार किया गया, लेकिन उसी समय आईएसआई और पाकिस्तानी सेना कश्मीर और अफ़ग़ानिस्तान में आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, हथियार, और फंडिंग दे रही थी । यह वही दौर था जब लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मुंबई हमले के लिए समुद्री युद्ध, नेविगेशन, और एके-47 के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही थी । 2005 की हमारी कार्रवाई एक "सर्जिकल स्ट्राइक" नहीं, बल्कि एक सर्जिकल मास्क था जिसके पीछे आतंक की फैक्ट्री चलती रही। 26 नवंबर 2008 को जब 10 आतंकियों ने मुंबई को अपनी गोलियों और बमों से लहूलुहान किया, तो पाकिस्तान ने शुरू में सभी आरोपों को "भारतीय प्रोपेगैंडा" बताया। लेकिन जब अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा गया, उसका इकबालिया बयान, आया और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा आईएसआई की भूमिका का खुलासा हुआ तो ये सभी तथ्य पाकिस्तान के झूठ को बेनकाब करते रहे । हैरानी की बात यह है कि 2005 में ÷आतंकवाद विरोधी÷ दिखने वाले पाकिस्तान ने 2008 तक लश्कर-ए-तैयबा के मुखिया जकीउर रहमान लखवी को जमानत पर छोड़ दिया, और 2021 तक उसे पाकिस्तान में ही ÷गायब÷ रहने दिया । यह आतंकवाद के खिलाफ "कड़ी कार्रवाई" थी, या करतूतों को छुपाने की कला"? विश्व समुदाय की चुप्पी राजनीति की विवशता थी । मुंबई हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जो सबूत पेश किए, उन्हें अमेरिका और यूरोप ने भी माना, लेकिन पाकिस्तान को "राजनीतिक रूप से अस्थिर" देश का टैग देकर उसकी जवाबदेही तय करने से कतराते रहे।

राशिफल

मेष

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। जो लोग मीडिया से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। किसी खास व्यक्ति का सहयोग आज आपको मिलेगा। आपके माता पिता आपकी सफलता के लिए अपना पूरा सहयोग देंगे। आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

वृषभ

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह लेनी चाहिए। छात्रों के लिए दिन ठीक रहेगा। आज आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

मिथुन

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद मिलेगी। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको अच्छे फल पाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कर्क

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी। महिलाएं अगर घरेलू उद्योग शुरु करना चाहती हैं, तो आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको दूसरे लोगों का सहयोग मिलता रहेगा।

सिंह

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है। आपके काम से आपका जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। आज शाम तक शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा। बच्चे आज किसी खिलौने की मांग कर सकते हैं।

कन्या

आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपको सबका साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। आप किसी नई तकनीकी को सीखने की भी कोशिश करेंगे। ट्रांसपोर्ट के काम कर रहे लोगों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा।

तुला

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नए कदम उठायेंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। आपकी सकारात्मक सोच आपको लाभ दिलायेगी।

वृश्चिक

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। लम्बे समय से रुके हुए सरकारी काम आज पूरे हो जाएंगे। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभायेंगे। दोस्तों की सलाह आज आपके बहुत काम आएगी, इनकी वजह से आप सफल होंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहने वाला है।

धनु

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल करना पड़ेगा। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा, आप धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करवा सकते है। आज आपको उन लोगों से सावधान रहने की जरूरत है, जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं। इस राशि के लोगों को प्रॉपर्टी लेने का योग बना हुआ है।

मकर

आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा, जिससे आपका प्रोजेक्ट हो जाएगा। आज लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी, जिनको आप अच्छी तरह से निभाएंगे। आपको अपनी मनपसंद कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा आयेगा। लवमेट आज एक दूसरे को उपहार देंगे। आज आप धार्मिक कार्यों में रूचि लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक आयोजन का हिस्सा भी बनेंगे।

कुंभ

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा फल दिलाने वाला रहेगा। ऑफिस में बहुत दिनों से रुके हुए कामों को आप आसानी से निपटा लेंगे। साथ ही आपको बॉस का पूरा-पूरा सहयोग भी प्राप्त होगा।

मीन

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आयेंगे। आज आपको किसी भी तरह के वाद-विवाद से बचने की जरुरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। मेहनत के बल पर आपको काम में सफलता मिलेगी। बच्चों की सफलता से आपको गर्व की अनुभूति होगी। नवविवाहित दंपति में आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

युद्ध विराम : शांति और शक्ति के प्रतीक भारत की कूटनीतिक और राजनयिक जीत

(संदीप सृजन-विभूति फीचर्स)

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया। इस हमले के जवाब में भारत ने 7 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए गए। इस ऑपरेशन ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया, इसके बाद भारत की कूटनीतिक और राजनयिक पहल ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया । इसी कारण सीजफायर स्थिति बन गई और ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करने का निर्णय भी लिया गया। जिसे पूरा विश्व भारत की बड़ी राजनयिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों और स्थानीय नागरिकों को निशाना बनाया, जिसमें 26 लोग मारे गए। इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मदऔर लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों पर डाली गई, जिन्हें पाकिस्तान से समर्थन मिल रहा था। इस घटना ने पूरे भारत में आक्रोश की लहर पैदा कर दी। विशेष रूप से, हमले में कई नवविवाहित जोड़ों के पतियों की हत्या ने भावनात्मक रूप से देश को झकझोर दिया। एक ऐसी तस्वीर, जिसमें एक नवविवाहिता अपने पति की लाश के पास बैठी थी, उसके माथे का सिंदूर मिट चुका था और हाथों में मेहंदी के साथ खून के छींटे थे, ने पूरे देश को भावुक कर दिया। इस हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि इस हमले के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनानी शुरू की। भारत ने इस हमले को न केवल अपनी संप्रभुता पर हमला माना, बल्कि इसे मानवीय मूल्यों के खिलाफ एक कायराना कृत्य के रूप में देखा। 7 मई 2025 की मध्यरात्रि को भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसका नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था। इस ऑपरेशन का नाम इसलिए चुना गया क्योंकि पहलगाम हमले में आतंकियों ने कई महिलाओं को विधवा किया था, और सिंदूर भारतीय संस्कृति में सुहाग का प्रतीक है। यह ऑपरेशन भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त प्रयासों का परिणाम था, जिसमें पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सटीक और नियंत्रित हमले किये। भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30, राफेल फाइटर जेट्स और ब्रह्मोस तथा स्कैल्प मिसाइलों का उपयोग कर बहावलपुर, कोटली, मुजफ्फराबाद, मुरीदके और अन्य स्थानों पर आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इन हमलों में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के ठिकाने शामिल थे। भारत ने अपनी कार्रवाई को गैर-उत्तेजक रखा और किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले केवल आतंकी ढांचों तक सीमित रहें। ऑपरेशन केवल 23 मिनट में पूरा हुआ, जो भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता और रणनीतिक योजना को दर्शाता है। रक्षा मंत्रालय ने इसे ÷केंद्रित, नपी-तुली और गैर-बढ़ावा देने वाली÷ कार्रवाई बताया। हमले में जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर स्थित मरकज सुभान अल्लाह, लश्कर-ए-तैयबा का मुरीद के स्थित मरकज तैयबा और अन्य ठिकाने नष्ट किए गए। ये ठिकाने 2001 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसे आतंकी कृत्यों से जुड़े थे। अनुमानित 80-100 आतंकी इसमें मारे गए, जिसमें जैश और लश्कर के कई वरिष्ठ कमांडर शामिल थे।जिससे पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मच गया और पूरे देश में हाई-अलर्ट जारी किया गया। पाकिस्तानी सेना और सरकार में बौखलाहट देखी गई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 10 नागरिकों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों, जैसे श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, और चंडीगढ़ में ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश की, लेकिन भारत के स-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने प्रचार युद्ध भी शुरू किया, जिसमें झूठे दावे किए गए, जैसे श्रीनगर एयरबेस पर हमला और भारतीय सैनिकों को बंदी बनाना। हालांकि, ये दावे बाद में झूठे साबित हुए। पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने सोशल मीडिया के जरिए भ्रामक वीडियो और तस्वीरें फैलाईं, लेकिन भारत ने इनका तथ्य-जांच के साथ खंडन किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने तुरंत कूटनीतिक मोर्चे पर काम शुरू किया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 13 देशों के राजदूतों को ब्रीफिंग दी, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन की आवश्यकता और सटीकता को स्पष्ट किया। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक समुदाय को यह संदेश जाए कि यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिका, रूस और अन्य प्रमुख देशों को स्पष्ट किया कि हमले केवल आतंकी ठिकानों पर किए गए। भारत ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में संयमित और तथ्य-आधारित भाषा का उपयोग किया। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी महिला अधिकारियों द्वारा ब्रीफिंग देना भारत की संवेदनशीलता और समावेशिता का प्रतीक था। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया, जिसने पाकिस्तान पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ाया। भारत ने देशभर में 244 शहरों में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित की, जिसने उसकी रक्षा तैयारियों को प्रदर्शित किया। कई देशों, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, ने भारत की कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ उचित कदम माना। चीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया, लेकिन भारत की कूटनीतिक सक्रियता ने चीन को खुलकर सामने आने से रोका। तुर्की ने पाकिस्तान को नौसैनिक समर्थन देने की कोशिश की, लेकिन भारत की शक्तिशाली नौसेना के सामने यह प्रभावहीन रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच, सीजफायर की पहल पाकिस्तान की ओर से की गई। 10 मई 2025 को, दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी रोकने के लिए एक समझौता हुआ। जिसे भारत ने इसे अपनी शर्तों पर स्वीकार किया। अमेरिका ने इस प्रक्रिया में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, सीजफायर के लिए कोई पूर्व या पश्चात शर्त नहीं रखी गई थी। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में होने वाला कोई भी आतंकी हमला युद्ध का कृत्य माना जाएगा। इसके साथ ही, भारत ने सिंधु जल संधि को अस्थायी रूप से निलंबित रखा है। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करने का निर्णय लिया गया, जिसे कई विशेषज्ञों ने भारत की राजनयिक परिपक्वता और रणनीतिक संयम का उदाहरण माना।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक शक्तियों ने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की।

भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ न्यायोचित ठहराया, जिससे पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन का स्थगन स्थायी नहीं है और यदि आतंकी गतिविधियां दोबारा शुरू हुईं, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस निर्णय ने भारत की छवि को एक जिम्मेदार और शांति-प्रिय राष्ट्र के रूप में मजबूत किया। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम ने भारत की कूटनीतिक और राजनयिक क्षमता को विश्व मंच पर प्रदर्शित किया। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश देते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएगा।

भारत की इस सक्रिय कूटनीति ने उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन दिलाया, जबकि पाकिस्तान को झूठे प्रचार के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। भारत ने सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया, लेकिन साथ ही कूटनीतिक संयम दिखाकर युद्ध की संभावना को टाला। ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि के रद्द होने से पाकिस्तान आर्थिक और कूटनीतिक रूप से कमजोर हुआ। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाकिस्तान सीजफायर भारत की रणनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का प्रतीक है।

रोम में डब्ल्यूटीए इटैलियन ओपन में महिला एकल के दूसरे दौर के मैच के दौरान शॉट लौटाती चीन की झेंग किनवेन और सर्बिया की ओल्गा।

भारत-पाक तनाव - आईपीएल खेल रहे विदेशी खिलाड़ियों की बढ़ी चिन्ता

नई दिल्ली, (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। बीसीसीआई के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एक सप्ताह बाद हालात की समीक्षा की जाएगी, जिसके बाद टूर्नामेंट के शेष मैचों का नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। इस घोषणा के बाद अब कई अहम सवाल उठ रहे हैं, जिनमें सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस दौरान विदेशी खिलाड़ी भारत में रुकेंगे या अपने-अपने देश लौट जाएंगे? आईपीएल से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वर्तमान हालात ने विदेशी खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि कई विदेशी खिलाड़ी वापस अपने देश लौटने की तैयारी में हैं। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के कुछ खिलाड़ी फिलहाल धर्मशाला से सड़क मार्ग के जरिए दिल्ली लौट रहे हैं। आईपीएल की एक टीम के अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ी अभी ठीक हैं लेकिन देश की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि पिछले साल हुई मेगा नीलामी में 10 फ्रेंचाइजियों ने कुल 62 विदेशी खिलाड़ियों को अनुबंधित किया था। इस स्थिति को लेकर विदेशी क्रिकेट बोर्डों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में हो सकते है आईपीएल के बचे मैच

- बीसीसीआई कर रही वैकल्पिक योजना पर विचार

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौजूदा सैन्य तनाव के मद्देनज़र आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। हालांकि बीसीसीआई का कहना है कि यह एक अस्थायी रोक है और यदि हालात सामान्य होते हैं तो टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा सकता है। बीसीसीआई फिलहाल एक आकस्मिक योजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत लीग को फिर से शुरू करने के लिए स्थानों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और समय जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बोर्ड अब देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में बाकी बचे मुकाबले आयोजित करने पर विचार कर रहा है। संभावित शहरों में कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु और विशाखापट्टनम प्रमुख रूप से शामिल हो सकते हैं। एक अंग्रेजी अखबार की

एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि अगर हालात अगले सप्ताह तक सुधरते हैं, तो आईपीएल के शेष मैचों को सीमित वेन्यू पर आयोजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ÷ऐसे मामलों में एक सप्ताह काफी लंबा समय होता है। बोर्ड विकल्पों पर सक्रियता से विचार कर रहा है। कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में मैच कराए जा सकते हैं, लेकिन अगर सीमा पर हालात सामान्य हुए तो बीसीसीआई मूल स्थानों पर भी लौट सकता है। गौरतलब है कि इस सीज़न में अब 12 लीग मुकाबले और 4 प्लेऑफ मैच बाकी हैं। इनमें से कई मैच देश के अलग-अलग शहरों में होने थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से इन्हें अब सीमित स्थानों पर सिमटाया जा सकता है। हाल ही में धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एक मैच ब्लैकआउट के चलते रद्द कर दिया गया था। इसके अलावा एयरपोर्ट बंद होने के चलते धर्मशाला से एक अन्य मैच की मेजबानी छिन गई थी और पंजाब-मुंबई मुकाबला अहमदाबाद स्थानांतरित करना पड़ा था। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगले सप्ताह हालात किस दिशा में बढ़ते हैं और क्या बीसीसीआई आईपीएल को फिर से पटरी पर ला पाता है।

क्या दोबारा होगा पंजाब बनाम दिल्ली मैच

नई दिल्ली, (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। दर्जनों शहरों में ब्लैकआउट लागू होने से इस स्थिति का सीधा असर आईपीएल पर पड़ा और धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच जारी मैच को बीच में ही रोकना पड़ा। बाद में उस मैच को रद्द कर दिया गया। हालांकि अब खबर है कि यह मैच हालात सामान्य होने के बाद दोबारा खेला जाएगा। एक अंग्रेजी अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार जैसे ही स्थिति नियंत्रण में आएगी और आईपीएल दोबारा शुरू होगा।

कॉनराड तीनो प्रारुपों में दक्षिण अफ्रीका के कोच बने

जोहानिसबर्ग, (ए.)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने शुकरी कॉनराड को सभी प्रारुपों के लिए अपनी टीम का कोच बनाया है। पहले वह टेस्ट टीम के ही कोच थे। वहीं अब कॉनराड 2027 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप तक सीमित ओवर की टीम के भी कोच बने रहेंगे। । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा है कि 2023 से दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम का कोच पद संभल रहे कॉनराड को रॉब वाल्टर की जगह पर सीमित ओवरों की टीम को भी कोच बनाया गया है। वाल्टर ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना पछ छोड़ दिया था। अब नये कोच कॉनराड की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में होगी। सीएसए के राष्ट्रीय टीमों और हाई परफार्मेंस

निदेशक एनोच एनक्वे ने कहा, 'टेस्ट टीम के साथ शुकरी का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने टेस्ट प्रारूप में टीम को काफी मजबूत किया है। इसलिए उन्हें सीमित ओवर के प्रारूप की जिम्मेदारी दी गयी है।

गौरतलब है कि कॉनराड कोच रहते ही दक्षिण अफ्रीका अपने पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल में पहुंच गया है। उसे 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स, लंदन में खिताब के लिए गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। वहीं कॉनराड ने कहा, 'मैं तीनों प्रारूपों में कोच की जिम्मेदारी मिलने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भविष्य की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हूं। सीमित ओवर प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका के पास कुछ बेहतरीन कौशल वाले खिलाड़ी है। मुझे विश्वास है कि हमारे पास सफलता खास हासिल करने के लिए जो चाहिए वो है।

अगले माह होगा 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट

सेन डियागो, (ए.)। 2025 क्लब वर्ल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट ये 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी। इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने इसके लिए इनामी राशि घोषित कर दी है। इसमें कुल इनामी राशि 1 बिलियन डॉलर 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी। इसमें विजेता टीम को 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का निर्धारित।अवसर मिलेगा। इसके अलावा वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए।

कमेंटेटरों पर भड़के रोहित

मुम्बई, (ए.)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने साल के रोहित शर्मा ने देश के कमेंटेटर्स के तरीके में आये बदलाव की आलोचना की है। रोहित ने कहा है कि आज कल मसालेदार कमेंट्री ने खेल पर एक प्रकार से अधिकार सा जमा लिया है। रोहित ने कहा कि जिस तरह से भारत में आजकल कमेंट्री होती है उसमें और ऑस्ट्रेलिया में होने वाली कमेंट्री में फर्क नजर आता है। गौरतलब है कि रोहित कई बार कमेंटेटरों की आलोचना का शिकार हुआ हैं। रोहित ने कहा कि हम सब कुछ देखते हैं, हम एक-दूसरे से बात करते हैं। कभी-कभी जब हम टीवी पर मैच देख रहे होते हैं, तो कमेंटेटर जिस तरह की बातें करते हैं, वह ऑस्ट्रेलिया में देखी जाने वाली कमेंट्री से बहुत अलग होती है। ये बहुत निराशाजनक है पर मैं बहुत ईमानदारी से ऐसा कह रहा हूं। भारत में ऐसा लगता है कि वे सिर्फ एक खिलाड़ी को निशाना बनाना चाहते हैं और कमेंटेटर उसके बारे में बोलना चाहते हैं जो बहुत निराशाजनक है।

रोहित ने कहा कि खराब फॉर्म को लेकर किसी खिलाड़ी की आलोचना करना पूरी तरह से समझ में आता है। लेकिन कमेंटेटरों को पता होना चाहिए की उसकी सीमा कितनी होनी चाहिए। साथ ही कहा कि बहुत से लोग हैं जो खेल से प्यार करते हैं उन्हें मसाला नहीं चाहिए वे क्रिकेट देखना चाहते हैं। आज के समय में ऐसे कमेंटेअर खेल में बहुत मसाला डालते हैं। ऐसे क्रिकेट प्रेमी भी हैं जो खेल के बारे में ज्यादा जानना चाहते हैं और समझना चाहते हैं कि किसी खिलाड़ी का फॉर्म खराब क्यों है। वे व्यक्तिगत बातें नहीं सुनना चाहते। साथ ही कहा कि केवल इसलिए कि आपको बोलने का अधिकार है, इसका मतलब ये नहीं है कि आप कुछ भी बोलेंगे। रोहित ने आगे कहा कि, खिलाड़ियों का सम्मान करें। मैंने कुछ जगहों पर ये भी कहा कि जो भी इन विश्व कप का हिस्सा रहा है, वह बहुत सम्मान के हकदार है। रोहित को लगता है कि आज के समय में किसी खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन पर वास्तविक प्रतिक्रिया की जगह एजेंडा चलाने वाली आलोचना ने जगह ले ली है। उन्होंने कहा कि अगर हमने अच्छा नहीं किया है तो हम आलोचना के अधिकारी हैं और इसमें कोई समस्या भी नहीं है लेकिन किसी की आलोचना करने का एक तरीका होता है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी गिरावट रही

- सेंसेक्स 880.34 अंक गिरकर 79,454.47 पर बंद- निफ्टी 265.80 अंक गिरकर 24,008 अंक पर बंद

मुंबई, (ए.)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। हालां कि सप्ताह के आखिरी दिन घरेलू शेयर बाजार ने बीच में निचले स्तरों से रिकवरी भी दिखाने की कोशिश की फिर भी बाजार में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार को मजबूती के साथ खुले। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर खुला और 294.85 रुपये की तेजी के साथ 80,796.84 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 मजबूत शुरुआत के साथ 24,400 के पार खुला और 114.45 अंक की उछाल के साथ 24,461.15 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 13 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,783 पर खुला और 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 3 अंक की बढ़त के साथ 24,467 पर खुला और 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 110.40 अंक की बढ़त के साथ

80,907.24 पर खुला और 155.77 अंक की गिरावट लेकर 80,641.07 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 39.60 अंक ऊपर 24,500.75 पर खुला और 81.55 अंक गिरकर 24,379.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को ग्लोबल मार्केट से मिले मिले-जुले संकेतों और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला। बीएसई सेंसेक्स 165.56 अंकों की बढ़त के साथ 80,912.34 पर खुला और 411.97 अंक की गिरावट लेकर 80,334.81 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,431.50 के स्तर पर खुला और 140.60 अंक गिरकर 24,273.80 पर बंद हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संकट बढ़ने की वजह से भारतीय शेयर बाजार हफ्ते में आखिरी ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार को बड़ी गिरावट में खुले। सेंसेक्स शुक्रवार को बड़ी 1300 अंक से अधिक की गिरावट लेकर 78,968.34 पर खुला और 880.34 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी बड़ी गिरावट के साथ 23,935.75 अंक पर खुला और 265.80 अंक (1.10 फीसदी) गिरकर 24,008 अंक पर बंद हुआ।

वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी बैंकों का रिकॉर्ड मुनाफा

नई दिल्ली, (ए.)। सभी 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2024-25 में एक नया इतिहास रचा है, जहां उन्होंने गणन रिकॉर्ड 1.79 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। इस उच्च लाभ कारण से बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़ता जा रहा है, जिससे कारोबार में वृद्धि और बेहतर मार्जिन दर्शनीय है। यह मुद्दा मुख्य रूप से सरकारी बैंकों के एनपीए (अति कर्ज) को कम करने में मदद कर रहा है। सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली बैंक में से एक एसबीआई है, जिन्होंने अकेले 70,901 करोड़ रुपये का हिस्सेदारी लिया है। बैंक ऑफ बड़ौदा 19,581 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। सरकार ने बैंकों को उबारने के लिए चार आर की रणनीति शुरू की है, जिसमें फिर से पूंजी डालने, पहचान करने, रिजॉल्यूशन और सुधार शामिल है। यह नई पहल सार्वजनिक बैंकों के लाभ में है और इससे एनपीए कम होने में मदद मिलेगी।

दुराजो से तिराना - अल्बानिया में गिरो डीइटालिया साइकिलिंग प्रतियोगिता के पहले चरण में लिडल - ट्रेक मैड्स पेडरसन ने स्टेज वन जीतने के लिए लाइन पार की।

अप्रैल 2025 में टेस्ला ने कुल 58,459 यूनिट्स चीन से बाहर भेजीं

नई दिल्ली, (ए.)। चीन स्थित शंघाई फैक्ट्री से टेस्ला की लगातार सातवें महीने गाड़ियों का शिपमेंट घटा है। टेस्ला ने अप्रैल 2025 में मॉडल 3 और मॉडल वाय की कुल 58,459 यूनिट्स चीन से बाहर भेजीं, जबकि इसी दौरान चीन में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड गाड़ियों की मांग 42 फीसदी बढ़कर 11.4 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई।

टेस्ला की बिक्री में गिरावट का एक बड़ा कारण चीनी कंपनी बीवायडी का उभार है। कभी एलन मस्क द्वारा खारिज की गई यह कंपनी अब टेस्ला को सीधी चुनौती दे रही है। अप्रैल में बीवायडी ने साल 2025 के लिए अब तक की सबसे अच्छी बिक्री दर्ज की है और वह 55 लाख गाड़ियों की डिलीवरी के सालाना लक्ष्य को आसानी से पार कर सकती है। बीवायडी को वॉरेन बफे के बर्कशायर हैथवे का समर्थन प्राप्त है। टेस्ला के लिए यूरोप का प्रदर्शन भी अप्रैल में निराशाजनक रहा। यूके, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्वीडन और स्पेन जैसे बाजारों में उसकी बिक्री में भारी गिरावट आई है।

ब्रिटेन- भारत ने किए एफटीए पर हस्ताक्षर, ट्रेड में होगी वृद्धि

नई दिल्ली, (ए.)। ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को लेकर तीन सालों से अधिक समय तक चली विस्तृत वार्ता पूरी हुई है। हाल ही में अधिकारिक तौर पर भारत और यूनाइटेड किंगडम ने एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते से साल 2040 तक दोनों देशों के बीच कुल एनुअल ट्रेड में 25.5 बिलियन पाउंड की वृद्धि होने का अनुमान है। यह 2024 में दोनों भागीदारों के बीच आदान-प्रदान किए जाने वाले मौजूदा 42.6 बिलियन पाउंड के सामान और सेवाओं पर आधारित है। एफटीए भारतीय एक्सपोर्ट को एक बड़ा बढ़ावा देता है, क्योंकि यूके भारत से आने वाले 99प्रतिशत सामानों पर टैरिफ हटा देगा।

आयात शुल्क हटाने से गारमेंट्स, मरीन फूड, लेदर प्रोडक्ट और ऑटो कंपोनेंट जैसे सेक्टर को सीधा लाभ मिलेगा। भारत के टैक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग के लिए यह ब्रिटिश बाजार में अधिक कॉम्पेटेटिव खेल का मैदान तैयार करता है। इस बीच, भारत ने यूके के 90प्रतिशत निर्यात पर शुल्क कम करने पर सहमति व्यक्त की है, जो प्रमुख सेक्टर में क्रमिक लेकिन महत्वपूर्ण रियायतें प्रदान करता है। स्कॉच व्हिस्की पर मौजूदा 150प्रतिशत आयात कर को दस साल की अवधि में घटाकर 40प्रतिशत कर दिया जाएगा। ब्रिटिश निर्मित कारें, जिन पर वर्तमान में 100प्रतिशत से अधिक शुल्क लगता है, अब सिर्फ 10प्रतिशत कर लगाया जाएगा।

इससे भारत में हाई कैटेगरी के व्हीकल अधिक सुलभ हो जाएंगे।

इस प्रकार जगुआर लैंड रोवर, बेंटले, बीएमडब्ल्यू ग्रुप की मिनी, रोल्स-रॉयस और एस्टन मार्टिन जैसे ब्रांड जो देश में पूर्ण आयात के रूप में लाए जाते हैं, उनकी कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती हो सकती है। यह समझौता व्यावसायिक गतिशीलता में भी सुधार करता है, मौजूदा इमिग्रेशन पॉलिसी को समायोजित किए बिना प्रॉफेशनल्स के लिए यात्रा प्रक्रियाओं को आसान बनाता है।

भारत-पाक साइबर तनावः वित्त मंत्री ने दी सुरक्षा को प्राथमिकता

- बैठक में वित्त मंत्री ने साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर सख्त निर्देश दिए

नई दिल्ली, (ए.)। भारत-पाक के बीच तनाव बढ़ाने के बदलते माहौल में भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र की सुरक्षा

को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। हाल ही में उन्होंने बैंकों, बीमा कंपनियों और रेगुलेटर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। इस बैठक में वित्त मंत्री ने साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर सख्त निर्देश दिए और बैंकों से अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा मजबूत करने का आदेश दिया। उन्होंने डेटा सेंटरों का नियमित ऑडिट कराने की भी पुष्टि की। इसके अलावा वित्त मंत्री ने बैंकों को दो अधिकारियों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया, एक अधिकारी साइबर सुरक्षा के मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग करेगा, जबकि दूसरा बैंक के सुचारू संचालन और एटीएम ऑपरेशन की सुनिश्चिति करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध रखना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में। उन्होंने सभी संबंधित संस्थानों को सतर्क रहने की आवश्यकता बताई और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए निर्देश दिए।इसके साथ ही, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने भी दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसमें साइबर हमलों के खतरे को हावी होने से रोकने के लिए उचित सावधानियों की बताई गई है।

पॉलीकैब के शेयरों में मामूली तेजी रही

मुंबई। पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड के शेयरों में मामूली तेजी देखने को मिली। शुक्रवार को कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 0.14 फीसदी उछलकर 5,773 रुपये तक पहुंच गया। यह तेजी कंपनी द्वारा घोषित 35 रुपये हर शेयर पर डिविडेंड के बाद देखने को मिला है। यह डिविडेंड वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए घोषित किया गया है। फिलहाल रिकॉर्ड तिथि घोषणा अभी नहीं की है। लेकिन एजीएम में मंजूरी मिलने के बाद लाभांश का भुगतान एजीएम की बैठक की तारीख से 30 दिनों को भीतर किया जाएगा। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 की तिमाही के नतीजे भी जारी किए हैं। इस तिमाही में पॉलीकैब का शुद्ध लाभ 35 फीसदी बढ़कर 727 करोड़ रुपये हो गया है।

विधायक देवेन्द्र जैन की शिकायत के बाद एसडीएम उमेश कौरव हटाए गए

सरकारी 1500 बीघा जमीन का कर दिया नामांतरण, अनुपम शर्मा होंगे शिवपुरी के नए एसडीएम

शिवपुरी ब्यूरो। आज विधायक देवेन्द्र जैन की शिकायत के बाद शिवपुरी एसडीएम उमेश कौरव को हटा दिया गया हैं उनके स्थान पर अनुपम शर्मा को शिवपुरी का एसडीएम बनाया गया है। यह कार्यवाही सुरवाया में स्थित 1500 बीघा शासकीय जमीन का नियम विरूद्ध नामांतरण करने की विधायक की शिकायत के बाद की गई है। कलेक्टर ने आदेश में स्पष्ट किया कि यह निर्णय प्रशासकीय सुविधा की दृष्टि से लिया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू होगा। बता दें कि विधायक जैन ने मुख्य सचिव को एक लिखित शिकायत भेजी थी। इसमें एसडीएम कौरव पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इन आरोपों में नियम विरुद्ध आदेश जारी करना शामिल था। साथ ही फर्जी एनओसी के आधार पर एफआईआर में हेरफेर करने का आरोप भी था। कौरव पर नामांतरण प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगा। उन पर मंडी समिति में अपने पद का दुरुपयोग करने की भी शिकायत की गई। प्रशासन ने इन सभी आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कौरव को पद से हटाने का निर्णय लिया। जिस पर आनन फानन में कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने एसडीएम को हटा दिया। एसडीएम उमेश कौरव लम्बे समय से विवादों में घिरे रहे हैं। उन पर थीम रोड़ की जमीन को लेकर भी कई तरह के आरोप लगे थे। बाद में एसडीएम ने बद्री धाकड़ और उनके सहयोगियों को क्लीन चिट देकर नगर पालिका के माध्यम से एफआईआर दर्ज करा दी थी। इसी तरह कई और भी मामले में सामने आए, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई और अब विधायक देवेन्द्र जैन ने सुरवाया की शासकीय भूमि का मामला उठाया और कलेक्टर से इसकी शिकायत की जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करते हुए उमेश कौरव को शिवपुरी एसडीएम पद से हटाकर उनकी जगह श्री शर्मा को नियुक्त कर दिया है। शिवपुरी एसडीएम उमेशचंद्र कौरव का कहना है कि विधायक जी ने क्या शिकायत की हैं यह मुझे मालूम नहीं है फिलहाल मेरे स्थान पर अनुपम शर्मा जी को एसडीएम नियुक्त किया गया है।

गड्ढे में गिरने से स्कूटी सवार महिला की मौत, प्रशासन की लापरवाही से लोगों में नाराजगी

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी के कोलारस कस्बे में एबी रोड पर खराब सड़क ने एक और जान ले ली। शुक्रवार शाम को 38 वर्षीय अंजलि जैन अपने बेटे के साथ स्कूटी पर सवार होकर लुकवासा स्थित पति की दुकान से घर लौट रही थीं। जगतपुर और कॉलेज रोड के बीच एबी रोड पर गड्ढे की वजह से स्कूटी से उछलकर वे सिर के बल गिर गईं। घायल अंजलि को पहले कोलारस स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें शिवपुरी के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सिर में गंभीर चोट के कारण ब्रेन हेमरेज हो गया। उपचार के दौरान अंजलि की मौत हो गई। शनिवार को अंजलि का अंतिम संस्कार किया गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे वर्षों से सड़क की मरम्मत की मांग कर रहे हैं। बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन ने एबी रोड की मरम्मत नहीं कराई। लोगों में प्रशासन की इस लापरवाही को लेकर आक्रोश है।

चैक बाउंस मामले में आरोपी को 3 माह का सश्रम कारावास व 1 लाख 35 हजार 335 रूपये प्रतिकर से किया दण्डित

प्रतिकर जमा ना करने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा से किया दण्डित

शिवपुरी ब्यूरो। एक-दूसरे से परिचित होने के कारण उधार लिए ऋण को नहीं चुकाने वाले आरोपी को माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवपुरी के न्यायालय के द्वारा अभियुक्त को धारा 138 परक्राम्य लिखित अधि. के अंतर्गत दोषी पाते हुए 3 माह का सश्रम कारावास एवं 1 लाख 35 हजार 335 रूपये प्रतिकर के रूप में परिवादी को दिए जाने का आदेश पारित किया। प्रतिकर की राशि अदा ना करने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास पृथक से भुगताए जाने का आदेश पारित किया गया। इस प्रकरण में परिवादी की ओर से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह यादव के द्वारा की गई। परिवाद के अनुसार परिवादी सीताराम राठौर निवासी शांति नगर शिवपुरी से परिचित होने के चलते अभियुक्त विनय यादव पुत्र केशव यादव निवासी मस्जिद के पास झींगुरा, शिवपुरी एक-दूसरे से भलीभांति परिचित थे। परिवादी सीताराम राठौर से आरोपी विनय यादव ने अपनी पारिवारिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 1 लाख रूपये की राशि 08.10.2016 को प्राप्त किए थे और उधार ली गई राशि का एक चैक दिनांक 07.10.2017 का भुगतान हेतु प्रदत्त किया था। जब परिवादी सीताराम राठौर ने प्रदत्त चैक अपनी बैंक शाखा बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा शिवपुरी में जमा किया तो बैंक द्वारा अपर्याप्त राशि के कारण वापिस प्राप्त हुआ। उक्त चैक बाउंस हो जाने के बाद चैक राशि की मांग हेतु अपने अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह यादव के माध्यम से 15 दिवस का नोटिस आरोपी विनय यादव को भेजा गया। परिवादी सीताराम राठौर ने माननीय न्यायालय के समक्ष धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम के तहत परिवाद अपने अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह यादव के माध्यम से प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की साक्ष्य प्रस्तुत होने के बाद माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय के द्वारा अभियुक्त विनय यादव को धारा 138 परक्राम्य लिखित अधि. के अंतर्गत दोषी पाते हुए 3 माह का सश्रम कारावास एवं 1 लाख 35 हजार 335 रूपये प्रतिकर के रूप में परिवादी सीताराम राठौर को दिए जाने का आदेश पारित किया। प्रतिकर की राशि अदा ना करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास पृथक से भुगताए जाने का आदेश पारित किया गया। इस प्रकरण में परिवादी की ओर से पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह यादव के साथ सहयोगी अधिवक्ता अशपाक खान, अजय कबीर के द्वारा की गई।

पुलिसकर्मी को दूसरी महिला के साथ पत्नि ने रंगे हाथों पकड़ा, दोनों के बीच हुआ विवाद

-महिला ने वर्दीधारी पति को जड़े थप्पड़, वीडियो हुआ वायरल

शिवपुरी ब्यूरो। मेडिकल कालेज में गुरुवार को एक महिला ने बर्दीधारी पुलिसकर्मी पति के साथ सरेआम उसकी गिरेवां पकड़कर हाथापाई कर दी। वहां मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइलों में यह वीडियो बना लिया। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रहा है। जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर एक पुलिसकर्मी किसी महिला को उपचार के लिए मेडिकल कालेज लेकर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि तभी उसकी पत्नी ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इसी के चलते उसने सरेआम वर्दीधारी पुलिसकर्मी पति गिरेवां पकड़कर उसके साथ हाथापाई कर दी। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। पुलिसकर्मी की पहचान नहीं हो सकी है कि वह कौन था और कहां पर पदस्थ है। हालांकि यह पूरा मामला लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुलिस अधीक्षक राठौड़ ने आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से एडवाइजरी जारी की

शिवपुरी ब्यूरो। भारत और पाकिस्तान तनाव के बीच शिवपुरी में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने समस्त जिले वासियों से जनहित में सुरक्षा संबंधी दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की है। जारी एडवाइजरी में बताया गया है कि किसी अनजान लिंक को क्लिक नहीं करें, अनजान एप्लीकेशन को डाउनलोड नहीं करे। सोशल मीडिया पर तथ्यहीन जानकारी शेयर नहीं करे, कोई भड़काऊ मैसेज ना तो स्वयं पोस्ट करे और ना ही री-शेयर करें। समस्त व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन को निर्देशित किया जाता है कि अपने ग्रुपों पर तथ्यहीन जानकारी प्रसारित करने वाले, अफवाह फैलाने वाले, तनाव निर्मित करने वाले मैसेज प्रसारित नहीं होने दें, ऐसे लोगो को तत्काल ग्रुप से बाहर करे और उनकी सूचना डायल 100 के माध्यम से पुलिस को प्रदान करें। कोई भी कार्यक्रम बिना विधिवत अनुमति लिए आयोजित नहीं करे। सभी होटल एवं लॉज संचालक को सख्त रूप से निर्देशित किया जाता है कि वे अपने यहाँ रुकने वाले समस्त लोगों की सम्पूर्ण जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित करे और रुकने वाले समस्त लोगो के वैध दस्तावेजों को चेक करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल लॉज में ठहरने आता है तो उसकी सूचना तत्काल डायल 100 के माध्यम से पुलिस को प्रदान करे। समस्त मोबाइल सिम कार्ड विक्रेताओं को सख्त रूप से निर्देशित किया जाता है कि सिम कार्ड विक्रय के दौरान वैध दस्तावेजों का सावधानी से निरीक्षण करें और सम्पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया का पालन करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति सिम कार्ड खरीदने आता है तो उसकी सूचना तत्काल डायल 100 के माध्यम से पुलिस को प्रदान करे। समस्त कियोस्क संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि आपके यहाँ ऑनलाइन भुगतान/रुपये हस्तांतरण हेतु आने वाले समस्त व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित फॉर्मेट में एक रजिस्टर में संधारित करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति रुपये हस्तांतरण हेतु आता है तो उसकी सूचना तत्काल डायल 100 के माध्यम से पुलिस को दे। समस्त मकान मालिकों को सख्त निर्देशित किया जाता है कि अपने यहाँ रुकने वाले किरायेदारों की निर्धारित फॉर्मेट में जानकारी तत्काल निकटस्थ थाने पर उपलब्ध करवाये। बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी व्यक्ति को मकान/फ्लैट/दुकान किराए पर नहीं दें। समस्त प्रकार के प्रतिष्ठान संचालकों/व्यापारियों को निर्देशित किया जाता है कि अपने यहाँ कार्य कर रहे कर्मचारियों की जानकारी समस्त वैध दस्तावेजों के साथ तत्काल निकटस्थ पुलिस थाना पर प्रदान करें। असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, ब्हाइटएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि पर वायरल की जाने वाली आपत्तिजनक गतिविधि एवं असत्य अफवाहों पर ध्यान न देवें। किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी थाने अथवा पुलिस कंट्रोल रूम शिवपुरी के हेल्प लाइन नम्बर 7049101055 पर सूचित करें।

नेशनल लोक अदालत में 1478 मामले निराकृत हुए, 2117 व्यक्ति लाभांवित

शिवपुरी ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 10 मई 2025 को दिन शनिवार वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत का बर्चुअल मोड के माध्यम से माननीय जस्टिस सुरेश कुमार कैत, मुख्य न्यायाधिपति महोदय, मप्र उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के द्वारा शुभारंभ के पश्चात नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडीआर भवन में प्रातः 10:30 बजे माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अशोक कुमार शर्मा, विशेष न्यायाधीश, विजय तिवारी, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ शिवपुरी, श्रीमती दीपाली शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश, विवेक शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश, अरूण कुमार सिंह, पंचम जिला न्यायाधीश, कौशलेन्द्र सिंह भदौरिया, पंचम जिला न्यायाधीश, राजीव राव गौतम, षष्ठम जिला न्यायाधीश, श्रीमती रीतु वर्मा कटारिया, सप्तम जिला न्यायाधीश, विधान माहेश्वरी, तृतीय जिला न्यायाधीश, श्रीमती प्राची शर्मा उपाध्याय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवपुरी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमती रंजना चतुर्वेदी, न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेन्द्र मेहर, श्रीमती ऋचा सिंह राजावत, सुश्री प्रिया शर्मा, सुश्री प्रीती परिहार, सुश्री प्रत्यक्षा कुलेश, सुश्री निहारिका व्यास, धर्मवीर सिंह राठौर, जिला विधिक सहायता अधिकारी कु0 अंकिता शांडिल्य, संदीप कालरा, महाप्रबंधक विद्युत विभाग, बीमा कंपनी अधिवक्ता दिलीप गोयल, वीरेन्द्र शर्मा, लीगल एड डिफेंस काउंसिल से आलोक श्रीवास्तव, पवन चंदेल, निखिल सक्सेना, मनीष जैन, नूपुर राठौर एवं अधिवक्ता संजय शर्मा उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में जिले की कुल 33 खण्डपीठों का गठन किया गया था। जिनके द्वारा न्यायालयों में लंबित कुल 488 प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों से संबंधित 990 कुल प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कर लंबित प्रकरणों में लगभग 46708303/- राशि के अवार्ड पारित किये गये तथा विभागीय प्रकरणों में लगभग 13571208/- रूपये की वसूली हुयी। इस नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा, चैक बाउंस, शमनीय अपराध, वैवाहिक मामले , विद्युत चोरी के मामलों के साथ-साथ सिविल एवं राजस्व मामले निराकरण हेतु रखे गये थे। नेशनल लोक अदालत में मामलों के निराकरण से पक्षकारों में व्याप्त मतभेद का निराकरण होता है साथ ही पक्षकारों के धन एवं समय दोनों की बचत होती है तथा पक्षकारों को लंबी न्यायलीयन प्रक्रिया से छुटकारा मिलता है एवं लोक अदालत में पारित अवार्ड की अपील नहीं होती है। सफलता की कहानी- माननीय न्यायालय श्रीमती शालिनी शर्मा सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय शिवपुरी के यहां लंबित वैवाहिक प्रकरण में दमपत्ति की शादी 10 वर्ष पूर्व हुयी थी, दोनों पक्षों में विवाह के जेवरों को लेकर विवाद हुआ। दोनों अलग रहने लगे। वर्ष 2023 में धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरणपोषण हेतु लगभग पांच हजार रूपये का आदेश किया गया। किन्तु अनावेदक द्वारा उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया था। आज नेशनल लोक अदालत में माननीय न्यायालय की खंडपीठ द्वारा दोनों पक्षों को समझाईश देकर मामले का राजीनामा के माध्यम से निराकरण किया गया। अनावेदक को आवेदिका के भाई की शादी में जाने एवं आवेदिका को मायके जाने दिया जाये ऐसी समझाईश के साथ खुशी-खुशी विदा किया। ऐसे ही माननीय न्यायालय प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय शिवपुरी में लंबित वैवाहिक प्रकरण में आवेदिका की शादी पांच साल पहले हुयी। दोनों पक्षा के बीच दहेज को लेकर विवाद हुआ। दहेज की मांग पूरी न होने पर अनावेदिका के ससुराल वालों ने घर से बाहर निकाल दिया। जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा 6000/- रूपये भरणपोषण का आदेश दिया गया था। उक्त मामले में पति पत्नि साथ रहना चाहते थे, परंतु अनावेदिका की सास आनाकानी कर रही थी। राजीनामा होने के बावजूद भी अनावेदिका की सास ने उसे घर से भगा दिया। आज दिनांक 10 मई 2025 को पुनः मध्यस्थता की कार्यवाही के माध्यम से दंपत्तियों को समझाईश देकर एवं अनावेदिका की सास को समझाईश देकर खुशी-खुशी विदा किया।

तैराकी से मिल सकते हैं कई फायदे, इन कारणों से बनाएं इसे

तैराकी एक ऐसी गतिविधि है, जो न केवल आपको फिट रखती है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करती है। यह एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। इसके अलावा तैराकी से शरीर में लचीलापन आता है और यह तनाव को कम करने में भी मदद करती है।

आइए आज हम आपको तैराकी से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं, जिससे आपको इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है बेहतरीन

तैराकी हृदय रोगों से बचाव करने में मदद कर सकती है। इसमें शामिल गतिविधियां जैसे कि तेज तैरना, गोताखोरी करना या फिर पानी में एरोबिक्स करना दिल की धड़कन को बढ़ाती हैं और इससे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह भी बढ़ता है।

इसके अलावा इससे शरीर के अन्य अंगों में भी रक्त संचार बेहतर होता है।

तैराकी से शरीर में लचीला रहता है और मांसपेशियों के साथ-साथ हृदय को मजबूत करने में मदद मिलती है।

शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में है कारगर

तैराकी से शरीर की सभी मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं और इससे उन्हें मजबूती मिलती है, खासतौर से जब आप पानी में तेज तैरते हैं तो आपके हाथ-पैर और पीठ की मांसपेशियां बहुत काम करती हैं। इससे शरीर की मांसपेशियों में टोनिंग होती है और मजबूती मिलती है।

इसके अलावा तैराकी से शरीर का लचीलापन भी बढ़ता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। नियमित रूप से तैराकी करने से मांसपेशियों में सुधार होता है।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

तैराकी एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है, जो कैलोरी जलाने में बहुत प्रभावी होती है।

अगर आप रोजाना 30 मिनट तक तैराकी करते हैं तो इससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

इसके अलावा तैराकी से शरीर की फुर्ती भी बढ़ती है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं।

नियमित रूप से तैराकी करने से न केवल वजन नियंत्रित होता है बल्कि शरीर में ऊर्जा और ताजगी भी बनी रहती है।

तनाव को कम करने में है असरदार

तैराकी करने से दिमाग शांत रहता है और तनाव कम होता है।

जब आप पानी में तैरते हैं तो आपका मन सिर्फ उसी पर लगा रहता है, जिससे अन्य चिंताएं भूल जाती हैं।

इसके अलावा पानी के तापमान और ध्वनि भी आपको आरामदायक महसूस कराते हैं।

नियमित रूप से तैराकी करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और आप अधिक खुश और संतुलित महसूस करते हैं। यह एक बेहतरीन तरीका है तनाव मुक्त होने का।

सांस संबंधी समस्याओं से मिल सकती है राहत

तैराकी करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और सांस लेने में आसानी होती है।

जब आप पानी में तैरते हैं तो गहरी सांस लेने की आदत पड़ जाती है, जिससे फेफड़ों मजबूत होते हैं।

इसके अलावा इससे ऑक्सीजन का प्रवाह भी बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

नियमित रूप से तैराकी करने से न केवल सांस संबंधी समस्याओं में सुधार होता है बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है।

फिल्म अभिनेत्री अमिषा पटेल ने किया सेवानिवृत्त जेलर व्हीएस मौर्य को सम्मानित

शिवपुरी ब्यूरो। समाजसेवा के क्षेत्र हो या फिर जेल में कैदियों के जीवन में सुधार जैसे अनेकों कार्य इन्हीं सब अनुकरणीय सेवा कार्यों को लेकर सेवानिवृत्त जेल अधीक्षक व चार बार राष्ट्रपति पुरूस्कार से सम्मानित डॉ.व्ही.एस.मौर्य को टॉप टियर बिजनेस अवार्ड 2025 से दिल्ली के प्रसिद्ध लीला एम्बिएंस के भव्य हॉल में आंचल गोयल द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री अमिषा पटेल के द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजेसवी रिटा.जेलर व्ही.एस.मौर्य ने इस सम्मान से अभिभूत होकर फिल्म अभिनेत्री सहित आयोजक संस्था का आभार माना और बताया कि किस प्रकार से बिजनसे और सोशल वर्कर के रूप में संस्था के द्वारा जो सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है, वह वाकई अनुकरणीय है और हमारी सेवाभावी संस्था बीपीएम जयहिंद मिशन व संत रैदास लोक कल्याण ट्रस्ट संस्था के संयुक्त तत्वाधान में लगातार समाजसेवा, जनसेवा और पल्स पोलियो सहित अनेकों सेवा कार्य किए जाते है आज उन्हीं सेवा कार्यों का यह प्रतिफल है कि बिजनेस अवार्ड प्रदान करने वाली संस्था के द्वारा हमें यह पुरूस्कार प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री अमिषा पटेल के द्वारा प्रदाय किया गया। इस अवसर पर रिटा.जेलर व्ही.एस.मौर्य के साथ उनकी धर्मपत्नि श्रीमती माया मार्य, समाजसेवी व स्कूल संचालक रामलखन धाकड़, अरविंद सिंह धाकड़, साहब सिंह वर्मा आदि भी शामिल रहे। इन सभी को भी संस्था में सहयोग प्रदान करने पर समाजसेवा के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान बॉलीवुड की जानी मानी हस्ती ज्ञान विभूषण प्रो.डॉ.कबीर टाईगर ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रिटा.जेलर व्ही.एस.मौर्य को मिले इस सम्मान को लेकर नगर शिवपुरी सहित संभाग और प्रदेश भर के शुभचिंतकों ने बधाईयां शुभकामनाऐं प्रदान की है।

प्रतीक्षा शर्मा ने 10वीं की प्रदेश मेरिट लिस्ट में 10वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया

शिवपुरी ब्यूरो। टीसीपी टेकनपुर निवासी प्रतीक्षा शर्मा ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं परीक्षा में 491/500 अंक प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में दसवां स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और क्षेत्र में गर्व की लहर है। प्रतीक्षा के पिता रविंद्र शर्मा ने बताया कि प्रतीक्षा शुरू से ही पढ़ाई में गंभीर और अनुशासित रही है। प्रतीक्षा ने बताया कि उसका वर्तमान में किसी एक क्षेत्र को लेकर करियर का स्पष्ट लक्ष्य नहीं है, लेकिन वह 12वीं कक्षा पास करने के बाद अपने करियर की दिशा तय करेगी। उसका मानना है कि यदि मन लगाकर और नियमित रूप से अध्ययन किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। प्रतीक्षा की इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता।

तीन बच्चों पर कुत्ते ने किया हमला, घायल

शिवपुरी ब्यूरो। शहर के बड़ौदी क्षेत्र में स्थित एक खेत में मजदूरी कर रही महिला के पास मौजूद तीन बच्चों पर कुत्ते से हमला कर दिया। हमले में घायल तीनों बच्चों को महिला जिला अस्पताल आई जहां तीनों का इलाज जारी है। मनीषा आदिवासी बड़ौदी क्षेत्र में स्थित एक खेत पर शुक्रवार की दोपहर काम कर रही थी। उसी समय उसके तीन बच्चे नितिन (7), आदिल (6) और रीता (3) खेत के पास खेल रहे थे। इसी दौरान एक आवारा कुत्ते ने तीनों बच्चों पर हमला कर बच्चों के हाथ, पैर और पीठ में कई जगह काट लिया। बच्चों की चीख सून उसकी मां आई और अन्य ग्रामीणों की मदद से तीन बच्चों को बचाया। जिसके बाद मां अपने तीनों बच्चों को परिजनों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जिला चिकित्सालय में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया

मुरैना,कांस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पदमेश उपाध्याय एवं सिविल सर्जन डॉ गजेन्द्र सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय मुरैना के नवीन भवन में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व स्वास्थ्य शिविर शुक्रवार को लगाया गया । कार्यक्रम में हाई रिस्क महिलाओं को पोषण आहार वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिसमें डॉ डी एस यादव आर एम ओ डिप्टी मीडिया ऑफिसर रामललली माहौर,समीक्षा तोमर उपस्थित रहीं, जिसमें डॉ वंदना निगम, डॉ पूजा शर्मा, डॉ सरिता राठौर स्त्री रोग विषेशज्ञ द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आई गर्भवती महिला व हाई रिस्क महिलाओं का परीक्षण व जांच कर इलाज किया गया ।हाईरिस्क की 12 महिलाओं को चिन्हित किया । आयरन सूक्रोज 13 महिला को लगाये गये। 01 महिला को ब्लड चढ़ाया गया। जीडीएम जांच 14 महिलाओं की ऊषा तोमर इन्चार्ज व रिजवाना वेग की देखरेख में किया गया ।प्रचार प्रसार के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को जागरूक भी किया गया।

पॉलिटेक्निक में प्रवेश पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 जून तक

मुरैना,कांस। डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मुरैना में अनुसूचित जाति के इच्छुक अभ्यर्थी एवं अन्य सभी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी कक्षा 10 वीं के अंकों के आधार पर इलेक्ट्रिकल इंजी./ मैकेनिकल इंजी. कंप्यूटर साइंस इंजी./ इलेक्ट्रॉनिक्स टेलीकम्युनिकेशन इंजी. त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में MP ONLINE KIOSK (http://dte.mponline.gov.in) के माध्यम से प्रवेश की काउंसलिंग हेतु ऑनलाइन पंजीयन / रजिस्ट्रेशन 01 जून 2025 तक आमंत्रित किए गये है।छात्र काउंसलिंग में सम्मिलित होने के लिए किसी भी जानकारी के लिए संस्था में आकर सम्पर्क कर सकते है। कॉलेज के प्राचार्य इंजी. श्री मनोज कुमार सक्सेना द्वारा बताया कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति के छात्रों को संस्था में निःशुल्क छात्रावास, निःशुल्क भोजन, निःशुल्क स्टेशनरी × पुस्तकें, छात्रवृति 1000/- प्रति माह प्रति छात्र आदि उपलब्ध विशेष सुविधाएँ प्रदाय की जाती है। छात्रों के विकास हेतु संस्था में खेलकूद, योग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकों के द्वारा अध्यापन कार्य कराया जाता है। प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा छात्रों को 100 प्रतिशत जॉब प्लेसमेंट कराया जाता है। प्रवेश से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए सम्पर्क करें। अधिक जानकारी के लिए 9926294054, 9826263208, 9098718415 इन नम्बरों पर संपर्क कर सकते हैं ।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन संपन्न

मुरैना,कांस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय श्रीमती संगीता मदान, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना के कुशल मार्गदर्शन एवं विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप दिनांक 10 मई 2025 को जिला न्यायालय परिसर मुरैना एवं तहसील विधिक सेवा समिति अम्बाह तहसील विधिक सेवा समिति जौरा, तहसील विधिक सेवा समिति सबलगढ़ में नेशनल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । उक्त नेशनल लोक अदालत का औपचारिक शुभारंभ माननीय श्रीमती संगीता मदान प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस शुभारंभ के अवसर पर माननीय श्रीमती संगीता मदान प्रधान जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना, श्रीमान् अजय सिंह, विशेष न्यायाधीश मुरैना, श्रीमान् हितेन्द्र द्विवेदी प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना एवं जिला मुख्यालय मुरैना के माननीय न्यायाधीशगण, श्री आशीष शर्मा, सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना के साथ ही श्री पवन गुप्ता अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ मुरैना आदि मुख्य रूप से सम्मिलित रहे । आज दिनांक 10.05.2025 को कुटुम्ब न्यायालय मुरैना वर्ष 2023 एवं 2024 से लंबित भरण पोषण के प्रकरणों में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री हितेंद्र द्विवेदी जी की समझाईश पर दो प्रकरणों में पति-पत्नी आपसी मन-मुटाव को भूलकर साथ जाने के लिये सहमत होकर अपने भावी जीवन को हंसी खुशी व्यतीत करने के लिये साथ-साथ गये । प्रकरण ग्राम जौरी थाना सिविल लाईन मुरैना के श्रीमती रानी (काल्पनिक नाम) का अपने पति नीरज (काल्पनिक नाम) के साथ भरण पोषण का विवाद विचाराधीन था, जो वर्ष 2022 से लंबित था । उभयपक्ष के मध्य पीठासीन अधिकारी श्री हितेन्द्र द्विवेदी द्वारा पक्षकारों को आपसी सहमति से अपना पारिवारिक जीवन खुशहाल रहने हेतु समझाईश दी जा रही थी, इसी दौरान माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय, श्रीमती संगीता मदान लोक अदालत की समीक्षा करते हुये न्यायालय कक्ष में पहुंची तो उनके दोनों पक्षों को 10-15 मिनट अपना पारिवारिक जीवन खुशहालीपूर्वक और हर्ष उल्लास से जीने की समझाईश दी गयी और साथ-साथ जीवन जीने के कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये और माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय, श्रीमती संगीता मदान के अथक प्रयासों से और उनकी समझाईश के पश्चात दोनों पति-पत्नी राजीखुशी एक- दूसरे यह बचन करते हुये कि वह भविष्य में अपना जीवन खुशहालीपूर्वक जीयेगें। एक-दूसरे को माला पहनाकर न्यायालय से राजी खुशी रवाना हुये। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय, श्रीमती संगीता मदान, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेंद्र द्विवेदी एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मुरैना श्री अमित प्रताप सिंह द्वारा सामूहिक रूप उन्हें एक पौधा भी भेंट किया गया ! द्वितीय प्रकरण प्रेम नगर जौरा खुर्द मुरैना के श्रीमती आयेशा (काल्पनिक नाम) का अपने पति सलमान (काल्पनिक नाम) के साथ भरण पोषण के विवाद को लेकर था, जो वर्ष 2023 से लंबित था। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेंद्र द्विवेदी की समझाईश पर पति-पत्नी दोनों हसी खुशी साथ-साथ गये । प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेंद्र द्विवेदी द्वारा उन्हें आपस में माला पहनवाई गयी तथा एक पौधा आपसी प्रेम को आगे बढाने के लिये भेंट स्वरूप दिया गया । तृतीय प्रकरण दत्तपुरा मुरैना के श्रीमती पूजा (काल्पनिक नाम) का अपने पति रोहित (काल्पनिक नाम) के साथ भरण पोषण के विवाद को लेकर था, जो वर्ष 2024 से लंबित था। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेंद्र द्विवेदी की समझाईश पर पति-पत्नी दोनों हसी खुशी साथ-साथ गये ।

प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुरैना श्री हितेंद्र द्विवेदी द्वारा उन्हें आपस में माला पहनवाई गयी तथा एक पौधा आपसी प्रेम को आगे बढाने के लिये भेंट स्वरूप दिया गया। न्यायालय श्री कमलेश साहू, जिला न्यायाधीश मुरैना के समक्ष प्रचलित प्रकरण क्रमांक 10बी / 23 सिविल वाद राकेश सोनी विरूद्ध अम्बाह शक्ति में न्यायालय द्वारा प्रकरण का नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के माध्यम से निराकरण कर राशि रू04 करोड 06 लाख की राशि आवार्ड की गई इसके साथ ही सिविल निष्पादन में प्रकरण क्रमांक 68 / 23 पुष्पा विरूद्ध वैभव जैन का राजीनामा के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में निराकरण कर राशि रू 52 लाख की राशि अवार्ड की गई । इस नेशनल लोक अदालत हेतु जिला मुख्यालय मुरैना में 15 एवं तहसील मुख्यालय अम्बाह 07, जौरा 09 एवं सलगढ़ 06 इस प्रकार कुल 37 खण्डपीठें गठित की गई थी । नेशनल लोक अदालत में इन खण्डपीठों के समक्ष निराकरण हेतु न्यायालयों में लंबित 706 प्रकरण रखे गये थे, जिनमें से कुल 590 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिनमें समझौता राशि 73401544 /- रूपये है। साथ ही प्रिलिटिगेशन के भी कुल 1136 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये, जिनमें 1105 प्रकरणों का निराकरण हुआ, जिनमें समझौता राशि 21708327 /- रूपये है। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत में कुल 1695 प्रकरणों का निराकरण हुआ ।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025

अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 8730 मी. पर जंगल सफाई कार्य किया

मुरैना,कांस। जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीनस्थ जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र.1 सबलगढ के अमीन श्री सोनबीर सिंह भदौरिया, श्री लिजो, एवं श्री श्याम बाथम कण्डेक्टर तथा अन्य विभागीय मैदानी कर्मचारियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 8 मई 2025 को अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. 8730मी. पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों ने विभागीय मैदानी कर्मचारियों ने श्रमदान किया।

नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के संबंध में विभागीय अधिकारियों को किया नोडल नियुक्त

मुरैना,कांस। भारत सरकार गृह मंत्रालय के महानिदेशालय अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक के आदेशानुसार तथा मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव के द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत मॉक एक्सरसाइज के तहत आदेश जारी किये हैं। निर्देशों के तहत कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने नागरिक सुरक्षा के संबंध में सिक्योरिटी ड्रिल्स के तहत विभागीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।जिसके तहत डिपोट एवं ट्रांसपोर्टेशन सर्विस के लिये क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मुरैना श्रीमती अर्चना परिहार को नियुक्त किया है। कॉर्प्स डिस्पोजल सर्विस के लिये नोडल अधिकारी स्वास्थ्य अधिकारी होंगे। इसी प्रकार वेलफयर सर्विस के लिये डिप्टी कलेक्टर श्री वीरेन्द्र कटारे, रेस्क्यू सर्विस एवं साल्वेज सर्विस का नोडल जिला कमांडेंट होमगार्ड को नियुक्त किया है। फायर फाइटिंग सर्विस के लिये नोडल अधिकारी आयुक्त नगर निगम, वार्डन सर्विस के लिये नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, ट्रेनिंग सर्विस, एनसीसी/एनएसएस/एनवायकेएस/भारत स्काउटस एवं गाईडस के लिये नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री राजेन्द्र नाडिया, सायरन प्रीपेरडनेस के लिये नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, सप्लाई सर्विस के लिये नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री शिवम शर्मा होंगे। इनके सहयोग के लिये कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री एसएल बाथम, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संजीव शर्मा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी होंगे।केज्युल्टी सर्विस के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को नियुक्त किया है उनके सहयोग के लिये सिविल सर्जन मुरैना और संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी रहेंगे। हेडक्वार्टर सर्विस के लिये अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

नेशनल लोक अदालत में 382 मामलों का हुआ निराकरण

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। सबलगढ़ न्यायालय में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।जिसमें आपसी सुलह व समझौते से न्यायालय में लंबित एवं प्रिलिटिगेशन के कुल 382 निराकृत प्रकरणों में 1करोड़19लाख117 रुपए समझौता राशि रही। नेशनल लोक अदालत में श्री अजय कुमार चौहान, द्वितीय जिला न्यायधीश एवं प्रथम जिला न्यायधीश राजेश जैन, अभिषेक कुमार, श्रीमती प्रितांजली, सुश्री मोहसिना खान, श्रीमती रश्मि तिवारी की गठित खंडपीठों द्वारा न्यायालय में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। तहसील न्यायालय सबलगढ़ में प्रीलिटिगेशन मामलों के लिए विद्युत विभाग, नगरपालिका, बैंक, बीएसएनएल आदि के प्रकरणों के निराकरण हेतु पृथक- पृथक स्टॉल लगाए गए जिन पर पक्षकारगण अपने-अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए स्टॉलों पर मौजूद थे। तथा प्रकरणों में राजीनामा करने वाले व्यक्तियों को नेशनल लोक अदालत स्मृति चिन्ह के रूप में फलदार एवं छायादार पौधे पक्षकारों को प्रदान किए गए।

सबलगढ़ शहरी फर्स्ट फीडर की बिजली आज 5 घण्टे बन्द रहेगी

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। सबलगढ़ शहर प्रथम फीडर की बिजली सप्लाई आज रविवार को सुबह 11 बजे से सायंकाल 4 बजे तक बन्द रहेगी।

उक्त जानकारी देते हुए बिजली कम्पनी की शहर प्रबंधक सुश्री पूजा जैन ने बताया है कि आवश्यक रखरखाव के कारण उक्त फीडर की बिजली सप्लाई 5 घण्टे तक बन्द रहेगी।आवश्यकता के अनुसार समय घटाया बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने बताया है कि बिजली बंद होने से मीठा कुंआ,बेनीपुरा,एमएस रोड,मण्डी सन्तर 5,3,2,1, चांदनीचौक,कटरा बाजार,अदालत रोड व कुण्ड रोड की बिजली बंद रहेगी।

सबलगढ़ पुलिस की सराहनीय सफलता,लूट के 6 लाख बरामद

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। दिनांक 3 मई शनिवार रात 8 बजे व्यापारी मनोज गुप्ता के साथ हुई लूट की वारदात के दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में सबलगढ़ पुलिस ने सफलता प्राप्त की।सबलगढ़ पुलिस ने तीसरे दिन एक आरोपी सुनील रावत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लाख 45 हजार की लूट की रकम बरामद की थी,साथ ही लूट के पैसों से खरीदा गया 35500 रुपये का मोबाइलफोन जो आरोपी ने बीरपुर से खरीदा था,बरामद किया गया।शुक्रवार को दूसरे आरोपी सिरमौर पुत्र नारायणसिंह रावत निवासी चकपालरी को रहूगांव रोड से गिरफ्तार कर लिया गया।उसके कब्जे से लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व 315 बोर के कट्टे सहित एक लाख रुपए नगद बरामद कर लिए गए।इसी आरोपी से शनिवार को दो लाख 15 हजार रुपये ओर नगद बरामद किए गए।दोनों आरोपियों को न्यायालय भेजने की कार्यवाही की गई।

पुलिस के सामने थी चुनौती

व्यापारी मनोज की आंखों में मिर्ची डालकर हुई सनसनीखेज लूट को पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने चुनोती मानते हुए एसडीओपी सबलगढ़ बीपी तिवारी व थाना प्रभारी राजकुमारी परमार को आवश्यक निर्देश दिए।उनके निर्देशन में एसडीओपी श्री तिवारी ने तत्काल पुलिस टीम का गठन किया।जिसमें टीआई सबलगढ़ श्रीमती परमार,थाना प्रभारी टेंटरा सुखदेवसिंह चौहान,थानाप्रभारी रामपुर पारथसिंह परिहार,एसआई जेपी शर्मा सहित अन्य पुलिसबल को शामिल किया गया। टीआई श्रीमती परमार ने बिना देर किए संबंधित क्षेत्र के अनेक सीसीटीवी चैक किये व साइबर सेल की मदद से क्षेत्र के मोबाइल लोकेशन भी निकाली गई।कारण यह कि मामला अंधी लूट का था।फरियादी के अनुसार लुटेरों की बाइक पर नम्बर नहीं था और वे नकाबपोश थे।इन हालातों में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए लुटेरों का सुराग लगाया व टीम की मदद से लुटेरों को गिरफ्तार करने व रकम बरामद करने में सफलता हासिल की।

व्यापारी पहुंचे बधाई देने

लूट की रकम में से 6 लाख रुपये बरामद किए जाने से उत्साहित व्यापारी शनिवार को एसडीओपी श्री तिवारी व थानाप्रभारी श्रीमती परमार को बधाई देने पुलिस थाना पहुंचे।उन्होंने अधिकारीद्वय के कार्य की प्रशंसा की। पुलिस को मिली इस सफलता में थानाप्रभारी सबलगढ़ श्रीमती राजकुमारी परमार, एसआई जेपी शर्मा, प्रधान आरक्षक शत्रुघ्न सिंह, आरक्षक सुभाष गुर्जर, अरबाज,अनूप राठौड़,रोहितशर्मा,सौरभ,राहुल सिकरवार,आदि की सराहनीय भूमिका रही।

फाँसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

कैलारस। थाना कैलारस क्षेत्र अंतर्गत पचेखा गांव में युवक ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या मृतक के परिजन बदी प्रसाद कुशवाह पुत्र मुल्लाराम कुशवाह उम्र 70 साल निवासी ग्राम पचेखा ने बाताया की दिनांक 10.मई को मेरा लड़का राघवेन्द्र कुशवाह उम्र 37 साल अपने कमरे में रोजाना की तरह सो रहा था तब समय करीबन सुबह 10.30 बजे तक राघवेन्द्र सोकर नहीं उठा तब मैनें कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो राघवेन्द्र साफी का फंदा बनाकर छत पर डली टीन के पाइप से बांधकर फांसी पर लटका था तब मैंने अपने लड़के नरेश कुशवाह, बनवारी कुशवाह , जितेन्द्र कुशवाह व मोहल्ले के पड़ोसियों को बताया तब हमलोग राघवेन्द्र को फदे से उतारकर अस्पताल कैलारस लाये जहाँ डॉ साहब ने राघवेन्द्र को देखकर मृत घोषित कर दिया वही उपनिरीक्षक हिमान्शु यादव ने बातया की घटना की सूचना मिलते ही कैलारस पुलिस मौके पर पहुची ओर मृतक का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौप दिया हैं वही थाने पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में ले लिया हैं कैलारस पुलिस जांच कर रही हैं।

थाना कैलारस पुलिस द्वारा लूट के तीन आरोपियों को मय हथियार व मशरूक सहित किया गिरफ़्तार

कैलारस। दिनांक 27.04.25 को फरियादी विजय गौड़ गल्ला व्यापारी के साथ भट्टपुरा चौराहे पर अज्ञात मोटरसाईकिल सवार दो व्यक्तियो द्वारा लूट की घटना कारित की गई थी । उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री समीर सौरभ जिला मुरैना एवं श्रीमान अति.पुलिस अधीक्षक महोदय श्री सुरेन्द्र पाल सिंह डाबर द्वारा तत्काल कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के पाल में श्रीमान एसडीओपी महोदय कैलारस श्री रवि सोनेर के मार्ग दर्शन में निरी वीरेश सिंह कुशवाहा थाना प्रभारी कैलारस द्वारा तत्काल टीमें गठित कर लूट के आरोपियों का खुलासा करने हेतु सायवर सेल की मदद से घटना स्थल एवं रूट के आस पास के सीसीटीव्ही फुटेज को बारीकी से चेक किया । घटना के रूट का निर्धारण होने के उपरांत सायवर सेल की मदद से एवं दिनांक 09/05/2025 को विश्वनीय मुखविर से सूचना पर से लूट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपीगण सतीश पुत्र राजेन्द्र गुर्जर निवासी ग्राम खेड़ा थाना चिन्नोनी,भूपेन्द्र पुत्र पुरुषोत्तम गुर्जर निवासी ग्राम राजाराम का पुरा थाना जौरा एवं घटना मे शामसील होकर रैकी करने वाले आरोपी मनोज पुत्र राधेश्याम गुर्जर निवासी राजाराम का पुरा थाना जौरा को गिरफ्तार किया गया। तीनो वर्तमान में मोटरसायकलों से महादेवपुरा रोड रेल्वे पुलिया टीन शेड के नीचे किसी अन्य घटना को घटित करने की तैयारी से खड़े है । बाद आरोपीगणो से अपराध सदर के संबंध मे पृथक पृथक पूछताछ कर आरोपी सतीश गुर्जर पुत्र राजेन्द्र गुर्जर उम्र 25 साल निवासी ग्राम खेड़ा थाना चिन्नोनी के कब्जे से 12,000 रुपये नगद व अपराध सदर में उपयोग किये गये 315 बोर का एक देशी कट्टा व एक 315 बोर का जिन्दा राउंड जप्त किया गया । आरोपी भूपेन्द्र गुर्जर पुत्र पुरुषोत्तम गुर्जर उम्र 26 साल निवासी ग्राम राजाराम का पुरा थाना जौरा द्वारा अपराध में लूटा गया फरियादी विनोद गौड़ का आधारकार्ड ,फरियादी के मोटर सायकल की चाबी व 8,000 रुपये नगद विधिवत जप्त किये गये । आरोपी मनोज गुर्जर पुत्र राधेश्याम गुर्जर उम्र 27 साल निवासी राजाराम का पुरा थाना जौरा द्वारा 13,000 रुपये नगद व अपराध सदर में प्रयुक्त बुलेट मोटर सायकल बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर की जिस पर चैसिस नम्बर ME303K5F1NC007676 अंकित है को विधिवत जप्त कर किया गया आरोपियो से पूछताछ जारी है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण – दिनांक 03.05.25 को फरियादी विनोद गौड़ पुत्र रमेशचन्द्र गौड़ उम्र 40 साल निवासी ग्राम निरारा हाल पहाड़गढ़ रोड कैलारस (गल्ला व्यापारी) ने रिपोर्ट की थी कि भट्टपुरा चौराहा के पास दो मोटरसाईकिल पर सवार अज्ञात व्यक्तियो द्वारा कट्टे की नोक पर 90000 रूपये की लूट की घटना कारित की थी । जिस पर से थाना कैलारस पर अज्ञात आरोपीगणो के विरूद्ध अपराध क्र 160/25 धारा 309 (4) बी एन एस 11,13, एम पी डी पी के एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया ।

जप्त मशरूका –

क्र.. नाम आरोपीज प्त मशरूका

1. सतीश गुर्जर पुत्र राजेन्द्र गुर्जर उम्र 25 साल निवासी ग्राम खेड़ा थाना चिन्नोनी 12,000 रुपये नगद व 315 बोर का एक देशी कट्टा व एक 315 बोर का जिन्दा राउंड

2 भूपेन्द्र गुर्जर पुत्र पुरुषोत्तम गुर्जर उम्र 26 साल निवासी ग्राम राजाराम का पुरा थाना जौरा, 8,000 रुपये नगद व फरियादी के मोटर सायकल की चाबी व आधारकार्ड

3 मनोज गुर्जर पुत्र राधेश्याम गुर्जर उम्र 27 साल निवासी राजाराम का पुरा थाना जौरा 13,000 रुपये नगद व बुलेट मोटर सायकल बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर की जिस पर चैसिस नम्बर ME303K5F1NC007676 अंकित है

सराहनीय योगदान – उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी वीरेश कुशवाह, उनि राममंत्र गुप्ता, उनि संतोष बाबू गौतम, उनि हिमांशु यादव, सउनि शैलेन्द्र सिंह चाहौन ,प्रआर 983 गजेन्द्र सिंह जादौन, प्रआर 227 अजीत गौर, प्रआर. 889 दातार सिंह, प्रआर 213 पंचम सिंह ,आर.266 भूपेन्द्र राजावत, आर 893 विकाश शर्मा , आर 876 प्रवीण कुमार ,आर 486 विष्णु शर्मा, आर 397 विष्णु जाट, आर 520 ब्रजराज सिंह,आर 745 रोहित घनघोरिया ,आर 346 अरमान शाह,आर 337 सुरेन्द्र सिंह कुशवाह ,आर. 914 रवि यादव, आर.चालक 272 साकिर खांन की सराहनीय भूमिका रही। उक्त कार्यवाही में सायवर सेल प्रभारी उनि अभिषेक जादौन व उनकी टीम प्रआर 456 सुदेश ,आर 551 राहुल राजावत,आर 866 शैलेन्द्र सिंह,आर 373 राहुल कुंटल की सराहनीय भूमिका रही ।

वामपंथी नेता बहादुर सिंह धाकड़ की 83 वीं जयंती मनाई गई

सबलगढ़। वामपंथी नेता बहादुर सिंह धाकड़ की 83 वी जयंती माकपा कार्यालय पर मनाई गई। इस अवसर पर माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य अशोक तिवारी ने स्व श्री धाकड़ के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनकी स्मृति में वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर विचार व्यक्त किए। जिला सचिव मुरारी लाल धाकड़ ने भी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, कामरेड धाकड़ की बामपंथी आंदोलन में भूमिका पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रभु सगर ,रामस्वरूप कौशल, फरियाद खान, इसराइल खान, रामस्वरूप रजक , राजाराम अवस्थी, भानसिंह जादौन, रामवीर रावत आदि उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह सम्मेलनों से वित्तीय मितव्ययता को मिल रहा प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लाड़ली लक्ष्मी और कन्यादान जैसी योजनाएं कुशलतापूर्वक हो रहीं संचालित- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री सीहोर के भेरूंदा में 572 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने बुधनी विधानसभा क्षेत्र में 170.42 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री काल में मध्यप्रदेश बिजली आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था में आत्मनिर्भर बना। प्रदेश के गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछा है। यह सिर्फ सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रसंग नहीं है, आज यहां बुधनी विधानसभा में विकास कार्यों को गति देने के लिए 170.42 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी हुआ है। यह इस क्षेत्र के विकास की ओर बढ़ाया गया एक और नया कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा क्षेत्र के भेरूंदा स्थित ग्राम पिपलानी में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में क्षेत्रीय जनजातीय (गोंड) समाज के 572 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले बेटियों का विवाह कठिन प्रसंग होता था। बेटी की शादी के लिए गरीबों और किसानों को अपनी जमीन तक बेचनी पड़ती थी, लेकिन केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सबसे पहले चंदा जुटाकर गरीब कन्याओं का विवाह कराने की शुरुआत की। बाद में शासन स्तर पर योजना तैयार की गई और सामूहिक विवाह सम्मेलनों की शुरुआत हुई। आज समाज का हर वर्ग इस योजना के जरिए न केवल फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों से बच रहा है, वरन् सामूहिक विवाह सम्मेलनों से समाज में वित्तीय मितव्ययता की प्रवृत्ति को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। सनातन समाज में विवाह केवल दूल्हा-दुल्हन का रिश्ता नहीं है, यह दो परिवारों के लिए भी एक नए संबंध की शुरुआत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुधनी में फोरलेन, मेडिकल कॉलेज और गारमेंट कारखाने स्थित हैं। सलकनपुर में देवीलोक का विकास कार्य भी प्रगति पर है। शुक्रवार को ही दमोह के बांदकपुर में भी देवश्री जागेश्वर महादेव लोक का भूमि-पूजन किया गया है। हमारी सरकार केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा प्रारंभ सभी कार्यों को आगे बढ़ा रही है। बुधनी क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा है। पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की है, जिसमें किसानों को 25 से 33 प्रतिशत अनुदान भी मिल रहा है। प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने हर ब्लॉक में एक गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम बनाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत एक शक्ति संपन्न देश है, जो किसी भी दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक बार नहीं तीन-तीन बार सर्जिकल स्ट्राइक की हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर बहनों का सुहाग उजाड़ा है। अब ऑपरेशन सिंदूर से आतंकी और उनके ठिकानें ध्वस्त किए जा रहे हैं। भारत की शक्ति को दुनिया देख रही है।

भारत अद्भुत देश है, शहनाई के साथ सीमा पर नगाड़े भी बज रहे - केंद्रीय मंत्री श्री चौहान

केंद्रीय कृषि विकास एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत देश अद्भुत है, जहां शहनाइयों के साथ-साथ सीमा पर नगाड़े भी बज रहे हैं। भारत की ओर कोई आंख उठाकर देखेगा, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि आज हमारे नवदम्पत्ति भी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। विवाह एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें मिलकर चलना पड़ता है। बेटियों के साथ संकल्प लीजिए कि हम सब देशवासी सरकार और सेनाओं का साथ देकर उनका मनोबल बढ़ायेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी, लाडली बहना और कन्यादान योजना जैसी सभी कल्याणकारी योजनाएं बखूबी संचालित हो रही हैं, जो पिछली सरकार में शुरू की गई थीं।

फूलबाग मैदान में कौशिक महाराज की शिवपुराण कथा की तैयारियों को लेकर विधायक डॉ.सिकरवार आज करेंगे स्थल निरीक्षण

कथा 14 से भव्य कलश यात्रा निकलेगी

ग्वालियर,नसं.। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला द्वारा फूलबाग मैदान पर 14 से 23 मई तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारियों को लेकर कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक डॉ.सतीश सिकरवार कथा स्थल फूलबाग मैदान पर 11 मई को प्रातः 11 बजे अन्य सहयोगियों के साथ निरीक्षण करेंगे और चल रहीं तैयारियों को देखेंगे। बतादें कि 14 मई को दोपहर 3 बजे से 51 सौ कलश की भव्य कलश यात्रा

बिना वैध कारण के अलार्म चेन पुलिंग करने वालों पर झांसी मंडल सख्त

जनवरी 2025 से अप्रैल 2025 के मध्य 510 लोगों को गिरफ्तार कर 1.13 लाख रुपये का लगाया गया अर्थदंड

झांसी। ट्रेनों में अनावश्यक रुप से अलार्म चेन पुलिंग (ACP) करने वालों के खिलाफ झांसी मंडल सख्त रवैया अपनाता है। इन घटनाओं को रोकने के लिए लगातार अभियान भी चलाया जाता रहा है। जनवरी 2025 से अप्रैल 2025 के मध्य मंडल में 510 चेन पुलिंग के मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 510 लोगों को गिरफ्तार कर कुल 1.13 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस अभियान का उद्देश्य रेल सेवाएं का समय पर संचालन और यात्रियों को अनावश्यक असुविधा से बचाना है। स्टेशनवार आंकड़ों के अनुसार, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पर 91 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सभी की गिरफ्तारी हुई और 11,475 रुपये का जुर्माना वसूला गया। ग्वालियर स्टेशन पर 208 मामलों में सभी यात्रियों को गिरफ्तार कर 33,400 रुपये का जुर्माना वसूला गया। मुरैना स्टेशन पर 56 मामलों में सभी यात्रियों को गिरफ्तार कर 22,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। बांदा स्टेशन पर 28 मामलों में सभी यात्रियों की गिरफ्तारी हुई और 16,100 रुपये जुर्माना वसूली की गई। उरई स्टेशन पर 11 मामलों में सभी यात्रियों को गिरफ्तार कर 200 रुपये की जुर्माना वसूली की गई। मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि चेन पुलिंग की अवैध गतिविधि ट्रेनों के सुचारू संचालन में बाधा डालती है और यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। इसे रोकने के लिए मंडल द्वारा सख्त कदम निरंतर उठाए जा रहे हैं। यात्रियों से अपील है कि अनावश्यक चेन पुलिंग न करें और यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें। चेन पुलिंग का दुरुपयोग न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि अन्य यात्रियों को भी असुविधा पहुंचाता है।

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का होगा आयोजन

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन सुभाष चौक से सेंटर पॉइंट, मैरिस रोड होते हुए कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर तक होगा

अलीगढ,ब्यूरो। भारतीय सेना के साहसिक एवं सफल ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में जिले में भव्य ''भारत शौर्य तिरंगा यात्रा '' का आयोजन 11 मई को प्रातः 8 बजे से किया जा रहा है। यह यात्रा देशभक्ति, एकता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगी। भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ सुभाष चौक से सेंटर पॉइंट मैरिस रोड से कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर तक किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, एनसीसी, सिविल डिफेंस नागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएँ, सामाजिक संगठनों एवं आमजन भाग लेंगे।

यात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए कल्याण सिंह हैबेटेट सेंटर पर सम्पन्न होगी। जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देश पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत आयोजन को सफल बनाएं। तिरंगा यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था हेतु समुचित प्रबंध किए गए हैं।

सीडीओ, एडीएम सिटी, एस पी यातायात, एएसपी, पीडी डीआरडीए, सहायक नगर आयुक्त, बीएसए, डीपीआरओ, एडीआईओएस, आपूर्ति निरीक्षक, सिविल डिफेंस, यातायात निरीक्षक एवं एडी इन्फॉर्मेशन ने कलक्ट्रेट में बैठकर भारत शौर्य तिरंगा यात्रा आयोजन की रूपरेखा निर्धारित की।

द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का किया शुभारंभ

धौलपुर ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश धौलपुर अरुण कुमार अग्रवाल के तत्वावधान में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके एवं दीप प्रज्जलित करके किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश धौलपुर रेखा यादव ने बताया कि धौलपुर जिले में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु कुल 11 बैंचों का गठन किया गया है। धौलपुर मुख्यालय पर 5 बैंचों का गठन किया गया है जिसमें स्थायी लोक अदालत धौलपुर एवं उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग धौलपुर के प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 1, मोटर दुर्घटना दावा आधिकरण हेतु बैंच संख्या 2, न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटु के प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 3, प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों हेतु बैंच संख्या 4 गठित की गई है, इसी प्रकार सैंपऊ मुख्यालय हेतु न्यायिक मजिस्ट्रेट सैंपऊ की बैंच संख्या 5 गठित की गई है, बैंच संख्या 6 प्रो-बोनो न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1/2/3, जेजेबी धौलपुर के प्रकरणों की सुनवाई हेतु गठित की गई है। ताल्लुका बाड़ी मुख्यालय पर 4 बैंचों का गठन किया गया है जिसमें बैंच संख्या 1 सेशन न्यायालय एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों हेतु, बैंच संख्या 2 मजिस्ट्रेट न्यायालयों बाड़ी हेतु गठित की गई है एवं बैंच संख्या 3 न्यायिक मजिस्ट्रेट बसेडी के लिए गठित की गई है एवं बैंच संख्या 4 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट सरमथुरा के लिए गठित की गई है। ताल्लुका राजाखेड़ा मुख्यालय हेतु बैंच संख्या 1 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट राजाखेड़ा के लिए गठित की गई है। सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु धौलपुर जिले में विभिन्न न्यायालयों में लंबित 5667 प्रकरणों को चिन्हित किया गया। जिले में स्थित विभिन्न न्यायालयों में राजीनामा योग्य फौजदारी प्रकरण 589 एन.आई.एक्ट के 34 राशि 3389860 धन वसूली के 8 राशि 347018 प्रकरण, अन्य सिविल मामले 20 राशि 71976 एम.ए.सी.टी के 54 राशि 38685854 वैवाहिक विवाद 21, भरण-पोषण 110, राशि 2948250 जनउपयोगी सेवाओ संबंधी विवाद 13, उपभोक्ता फोरम के 8 राशि 1825000 समस्त राजस्व मामले 2977 निरोधात्मक कार्यवाही के 657 इस प्रकार कुल 4491 लंबित मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाकर कुल 47267958/- रूपये राशि का अवार्ड पारित किया गया। इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन के बैंक ऋण, टेलिफोन बिल के विवाद व अन्य सिविल विवाद के कुल 2081 प्रकरण निस्तारित किये गये। पारिवारिक न्यायालय धौलपुर के एक प्रकरण के दोनों पक्षकारों (पति-पत्नि) के मध्य शादी के बाद ही मन-मुटाव चालू हो गया। दम्पत्ति के मध्य लोक अदालत की भावना से पक्षकारों के मध्य समझाइश कराई गई। समझाइश सफल रही जिसके फलस्वरूप दंपत्ति ने पुनः एक साथ रहने के लिए राजी हुए तथा उन्हें बैंच के समक्ष दम्पत्ति को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर उनके सुखमय भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई, जिसके लिए पक्षकारों ने लोक अदालत बैंच का आभार व्यक्त किया। एमएसीटी न्यायालय धौलपुर के एक प्रकरण में प्रकरण एमएसी नं. 227/2024 हेतराम बगैरा बनाम नितिन बगैरा था जिसमें मृतक हरेन्द्र सिंह मथुरिया की मृत्यु बाबत क्षतिपूर्ति राशि हेतु उसके परिवारीजन हेतराम द्वारा यह क्लेम याचिका दर्ज हुई। लोक अदालत के माध्यम से बीमा कंपनी व प्रार्थी के अधिवक्ता के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा किया जाकर प्रकरण में 40,00,000/- रू का अवार्ड पारित किया जाकर निस्तारण किया गया। जिसके लिए पक्षकारों ने लोक अदालत बैंच का आभार व्यक्त किया। लोक अदालत के दौरान न्यायिक अधिकारी स्थाई लोक अदालत धौलपुर सुरेश प्रकाश भट्ट, न्यायाधीश एमएसीटी धौलपुर सुश्री प्रीति नायक, श्रीमती शैला फौजदार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, सुश्री सुमन मीणा न्यायिक मजिस्ट्रेट धौलपुर, श्रीमती साधना शर्मा उपखंड अधिकारी धौलपुर, अध्यक्ष अभिभाषक संघ धौलपुर प्रशांत हुण्डावाल, अधिवक्तागण अरुण राणा, ममता गोस्वामी, रंजीत सिंह, मुकेश सिकरवार, सर्वेश मिश्रा, प्रमोद शर्मा, दीपक सिकरवार, स्थाई लोक अदालत के सदस्य अधिवक्तागण वीरेंद्र उपाध्याय, रामदत्त श्रोती आदि उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

L. No. JHS-ELG-W-T-30-2024-26 दिनांक: 09.05.2025

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.: सीनि-ईएलजी-डब्ल्यू-टी-30-2024-25 | कार्य समापन अवधि: 06 माह

निविदा राशि: ₹ 29,47,464/- मात्र | बयाना राशि: ₹ 59,000/- मात्र

निविदा बंद होने की तिथि: 02.06.2025 (15:00 बजे तक)

http://www.ireps.gov.in पर देखें। 805/25 (MC)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक पहुंचकर किया शहीदों को नमन

भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अब भारत त्वरित गति से शत्रुओं को ठिकाने लगाने में सक्षम है

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार की शाम भोपाल के शौर्य स्मारक पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने शौर्य स्मारक परिसर में स्थित भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक श्री भगवान दास सबनानी के अलावा श्री राहुल कोठारी, श्री आशीष अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की सफलता के लिए समस्त राष्ट्रवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत उन राष्ट्रों में शामिल है जो त्वरित गति से दुश्मनों से निपट सकता है। भारतीय सेना के शौर्य प्रदर्शन पर आज यहां शौर्य स्मारक परिसर में उपस्थित महिलाओं और बच्चों के हाथ में तिरंगा देखकर उन्हें प्रसन्न और गर्वित होते हुए देखना आनंद का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आतंकवादियों ने गत 22 अप्रैल को पहलगाम में निरपराध लोगों की नृशंस हत्याएं कीं। उनकी पीठ के पीछे पाकिस्तान बैठा था। वह जमाना गया जब आतंकी समझते थे कि वे पाकिस्तान में महफूज होंगे। अब पाकिस्तान की सेना भी त्राहिमाम कर रही है। भारत ने 6 और 7 मई की रात्रि को शत्रु के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला कर उनके दांत खट्टे कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने तीसरी बार यह सेना के शौर्य का एहसास किया है। पहली बार सर्जिकल स्ट्राइक कर दुश्मन को उसके घर के अंदर घुसकर मारा। हमारे जवान अपने टारगेट को खत्म करके सकुशल वापस लौटे। दूसरी बार में पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों पर भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने एयर स्ट्राइक की। तब पाकिस्तान ने एक भारतीय पायलट अभिनंदन जी की सकुशल भारत वापसी करवाई। अब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों में जहां आतंक की फैक्ट्री चल रही थीं, निर्णायक कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। पाकिस्तान के ड्रोन और अन्य हथियारों का खात्मा कर भारतीय सैन्य बलों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में बीते 10 वर्षों में भारत ने रक्षा सहित हर क्षेत्र में प्रगति की है। अर्थव्यवस्था के मामले में भारत विश्व में 5वें स्थान पर आ गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारतीय सेना को आधुनिक जरूरत और हथियारों से लैस किया है। इनमें राफेल लड़ाकू विमान और एयर डिफेंस सिस्टम ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय सेना के शौर्य का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस घटनाक्रम से दुनिया के अंदर भारत की साख बढ़ी है और वे हमारी शक्तियों से परिचित हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी अपने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। यह समय सेना के साथ खड़े होने का है इसीलिए हमारी सरकार ने तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला लिया।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 05559/05560 रक्सौल जं.-उधना जं. विशेष रेलगाड़ी

05559 रक्सौल जं.-उधना जं.			05560 उधना जं.-रक्सौल जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	05.30	रक्सौल जं.	00.15	--
16.30	16.35	कानपुर सेन्ट्रल	12.30	12.35
20.30	20.35	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	08.15	08.20
21.30	21.32	ललितपुर	06.18	06.20
12.35	--	उधना जं.	--	15.35

रक्सौल जं. से-गाड़ी सं. 05559 (प्रत्येक शनिवार) दि.:17.05.25 से 26.07.25
उधना जं. से-गाड़ी सं. 05560 (प्रत्येक रविवार) दि.: 18.05.25 से 27.07.25
संरचना: वाता. तृतीय श्रेणी-06, स्लीपर श्रेणी -07, वाता. द्वितीय श्रेणी-02, सामान्य श्रेणी 04

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 808/25 FA

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सं.: आगरा-एलटी-2025-13 | कार्य की लागत: ₹26,05,801.98

कार्य का नाम: आगरा मंडल के JAB, AH, KSV, BJH में COA प्रणाली का संस्थापन का कार्य।

ई-निविदा सं.: आगरा-एलटी-2025-14 | कार्य की लागत: ₹1,14,41,772.50

ई-निविदा सं.: आगरा-एलटी-2025-15 | कार्य की लागत: ₹2,53,16,379.00

ई-निविदा सं.: आगरा-एलटी-2025-16 | कार्य की लागत: ₹1,38,71,447.69

कार्य का नाम: आगरा मंडल पर NMS के माध्यम से सिग्नलिंग OFC केबलों की निगरानी का कार्य।

निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। 804/25 (A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954